सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बुमराह ने बनाया रिकार्ड, सबसे ज्यादा बोल्ड आउट करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन -पेज: 7

कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी पूजा भट्ट की नई फिल्म, जितेंद्र कुमार नजर आएंग -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 217 | शनिवार 15 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

रिकॉर्ड जीत के साथ बिहार में एनडीए सरकार

मोदी बोले: सुशासन की जीत:शाह ने कहा: नतीजे घुसपैठियों को बचाने वालों को जवाब

पटना। बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। 243 में से 203 सीटों के साथ NDA रिकॉर्ड जीत की ओर है। जबकि महागठबंधन के खाते में 35 सीटें आ रही हैं। इस बीच पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा है कि ये सुशासन की जीत है। NDA को 2020 के मुकाबले 70 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है, वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हो रहा है। प्रचंड जीत के बीच सम्राट चौधरी, ललन सिंह ने नीतीश कुमार से मुलाकात की। पिछली बार 43 सीटों पर सिमटी खञ्ज की झोली में इस बार 80+ सीटें हैं। वहीं 91 सीटों के साथ BJP सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बड़े चेहरों में राघोपुर से तेजस्वी यादव करीब 12 हजार वोटों से जीत गए हैं। वहीं बड़े भाई तेजप्रताप की महुआ से हार लगभग तय है। दोनों डिप्टी CM की जीत तय है। महागठबंधन में राजद के खाते में 27, जबकि कांग्रेस 4 सीटों पर जीत की ओर है। ढङ की पार्टी जन सुराज और श्व्ढ का खाता भी नहीं खुला है। निर्दलीय समेत अन्य 6 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर जीत की बधाई दी और इसे घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता का करारा जवाब बताया। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी विधानसभा मतगणना केंद्र में राजद और बीजेपी कैंडिडेट आमने-सामने आ गए। जिसके बाद हंगामा हुआ। फिर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंची। हालांकि ररढ सुशील कुमार ने कहा कि दोनों प्रत्याशियों के बीच बहस हुई थी। मामला शांत हो गया है। मोकामा से जदयू प्रत्याशी

अनंत सिंह के पटना आवास पर जीत का जश्न शुरू हो गया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय जीत की खुशी में एक दूसरे को गले लगाते हुए। जगदीशपुर विधानसभा के जेडीयू प्रत्याशी टछउ श्री भगवान सिंह कुशवाहा की जीत हो गई है। कुशवाहा ने 17 हजार 561 के अंतर से जीत

हासिल की है। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से उनकी जीत का औपचारिक ऐलान बाकी है। पवन सिंह की पत्नी काराकाट सीट से लगातार पीछे चल रही हैं। वो यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं मोकामा से जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह के पटना आवास पर जीत का जश्न शुरू हो गया है। इन सीटों पर एलजेपी रामविलास आगे: सुगौली, गोविंदगंज, बेलसंड, बहादुरगंज, कटिहार का कसबा, बलरामपुर, सिमरी बख्तियारपुर, बोचहां, दरौली, महुआ, बखरी, परबत्ता, नाथनगर, ब्रह्मपुर, चेनारी, डेहरी, ओबरा, शेरघाटी, राजौली और गोबिंदपुर। बिहार के मंत्री और गया टाउन विधानसभा सीट से

भाजपा उम्मीदवार प्रेम कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम पर कहा, 'बिहार तो एक झांकी है और आगे बंगाल बाकी है। अगला पड़ाव भाजपा का बंगाल में होगा और वहां पर हम सरकार बनाएंगे। बिहार में चुनाव संपन्न होने के बाद अगला चढ़ाई हम बंगाल में करेंगे और वहां पर हम ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर करेंगे। वहां पर जो जंगलराज आ गया है और वहां की जनता को जंगलराज से मुक्त कराकर राम राज लाने का काम करेंगे।' राजद सांसद मनोज झा ने कहा, 'वोटों की गिनती जारी है। एक मनोवैज्ञानिक खेल भी चल रहा है। हमने पाया कि 65-70 से अधिक सीटों पर अंतर 3000-5000 वोटों से कम है, और हमें यकीन है कि उन सीटों पर स्थिति बदल सकती है। वोटों की गिनती बेहद धीमी है। यह सिर्फ शुरूआती रुझान है; हमने ऐसे रुझानों को अंत तक बदलते देखा है।' चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, दोपहर साढ़े 12 बजे तक के रुझानों में भाजपा 86, जदयू 78, राजद 31, लोजपा रामविलास 21, सीपीआईएमएल 6 और कांग्रेस 5 सीटों पर आगे चल रही हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थक पटना स्थित जेडीयू कार्यालय के बाहर जश्न मना रहे हैं। जेडीयू नेता छोटू सिंह ने कहा, 'हम नीतीश कुमार को बधाई देते हैं। बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को विजयी बनाया है। हम यहीं होली, दिवाली मनाएंगे।' जम्मू कश्मीर की नगरोटा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा ने जीत दर्ज की है। देवयानी राणा ने जम्मू कश्मीर पैंथर्स पार्टी के नेता हर्ष देव सिंह को 26 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। चुनाव नतीजों पर देवयानी राणा ने कहा कि 'मेरा सौभाग्य है कि जिस तरीके से 2024 में नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र के हर मतदाता ने बढ़-चढ़कर हमको आशीर्वाद दिया था और एक बार फिर हमें सौभाग्य रहा है 2025 में हर घर हर परिवार ने हमें बढ़-चढ़कर आशीर्वाद दिया है।' राजस्थान की अंता सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार की बढ़त लगातार मजबूत हो रही है। करीब 12 बजे तक कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन करीब सात हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं उन्हें कड़ी टक्कर देने वाले निर्दलीय नरेश मीणा दूसरे स्थान पर पिछड़ गए हैं।

दिल्ली ब्लास्ट: सुरक्षाबलों ने कश्मीर में आतंकी नबी का घर उड़ाया

अचार-पराठा खाकर फिर यात्रा शुरू की, कहा: मुल्ला मत बनो

एजेंसी

500 लोकेशन पर छापा, 600 से ज्यादा हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट केस में गुरुवार रात सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को क्एऊ ब्लास्ट से उड़ा दिया है। गुरुवार को ही उ्ठअ मैचिंग के बाद इस बात की पुष्टि हुई है कि कार में उमर ही था। उमर पुलवामा के कोइल इलाके में रहता था। पुलिस उसके माता-पिता और भाईयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, सुरक्षा बलों ने पिछले 3 दिन में कश्मीर में 500 लोकेशन पर छापा मारा है। पूछताछ के लिए 600 लोग हिरासत में लिए गए हैं। खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है अब तक गिरफ्तार 8 आतंकियों ने बताया कि वे 6 दिसंबर यानी बाबरी मस्जिद ढहाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत देशभर में कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। 10 नवंबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। तीसरी तक पढ़े मौलवी ने डॉक्टरों को आतंक पढ़ाया: कश्मीर के जिस मौलाना मोहम्मद इरफान की वजह से आतंकियों के वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का खुलासा हुआ, वो तीसरी कक्षा तक ही पढ़ा था।

लेकिन, वो डॉक्टरों को आतंक का पाठ पढ़ा चुका था। इरफान शोपियां का रहने वाला है। नौगाम में मदरसे में पढ़ाने जाता था। 17 अक्टूबर को उसने ही आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का धमकी भरा पोस्टर लिखा। फिर उसे प्रिंटिंग कराने ले गया। पोस्टर में सेना के खिलाफ धमकी भरी बातें लिखी थीं। जवानों ने पोस्टर देखा और आसपास पता लगाया तो मौलवी का सुराग मिला। अगले ही दिन जवान शोपियां पहुंच गए और उसे दबोच लिया। जांच सूत्रों ने भास्कर को बताया कि नौगाम में इरफान जिस मस्जिद में रहता था, उस कमरे को खोला गया। वहां कुछ और पोस्टर मिले। इसके बाद पहला केस दर्ज हुआ। कुछ दिन मामला शांत रहा, लेकिन 27 अक्टूबर को नौगाम में और पोस्टर लगे मिले। ये प्रिंटेड थे। सीसीटीवी फुटेज से इन्हें लगाने वाली की पहचान कुलगाम के वांपोरा निवासी डॉ. अदील मोहम्मद के रूप में हुई। जहां से चार आतंकी निकले, वहां 40% डॉक्टर कश्मीरी: फरीदाबाद के धौज गांव में बनी जिस अलफलाह यूनिवर्सिटी से चार आतंकी डॉक्टर निकले, वहां 40% डॉक्टर कश्मीरी हैं। नाम न छापने की शर्त पर मेडिकल कॉलेज में तैनात एक महिला डॉक्टर ने बताया कि 2021 में लेडी आतंकी डॉ. शाहीन बतौर प्रोफेसर जुड़ी। उसे प्रबंधन ने कॉलेज की 6 सदस्यीय फामाकों विजिलेंस कमेटी में अहम पद दिया। उसने ही 2022 में पुलवामा के आतंकी डॉक्टर मुजम्मिल गनी, डॉ. उमर नबी, डॉ. सज्जाद अहमद को नौकरी दिलाई। सज्जाद को कॉलेज कमेटी का सदस्य बनवाया। शाहीन और सज्जाद का यूनिवर्सिटी में काफी प्रभाव था। जम्मू-कश्मीर में मेडिकल स्टूडेंट मोहम्मद आरिफ मीर के घर छानबीन की गई। यह छापेमारी काजीगुंड इलाके में की गई। दिल्ली ब्लास्ट केस में उत्तर प्रदेश की एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (ATS) ने मीर को गिरफ्तार किया था। अल फलाह यूनिवर्सिटी में पेरेंट्स अपने बच्चों को लेकर जा रहे हैं।

पुणे में 25 गाड़ियां टकराईं, 9 लोगों की मौत: इनमें 5 जिंदा जले, ट्रक का ब्रेक फेल

एजेंसी

पुणे। बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ट्रक सबसे पहले एक कार से टकराया। कार आगे जा रहे कंटेनर से भिड़ गई और उसमें आग लग गई। ट्रक भी जल गया। हादसे में कार सवार 5 लोग जिंदा जल गए। ट्रक ड्राइवर समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनर और ट्रक के बीच दब गई और आग

लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। मृतकों की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित रहा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हादसे में घायल हुए सभी लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि ट्रक और कंटेनर सतारा से पुणे की ओर आ रहे थे। कार इनके बीच फंस गई। हादसे के कारण नवले ब्रिज पर लंबा जाम लग गया है। ट्रक में आग लगने से इसका ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका। लिहाजा उसकी भी जलकर मौत हो गई। पीछे एक यात्री वाहन था, वह भी आग की चपेट में आ गया। उसमें 17-18 लोग सवार थे। सभी घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और मरने वालों के परिवार को 5-5 लाख रुपए की

सेना ने 16000 फीट की ऊंचाई पर चलाई मोनो रेल

एजेंसी

ईटानगर। भारतीय सेना की गजराज कॉर्प्स ने एक इन-हाउस हाई एल्टीट्यूड मोनो रेल सिस्टम तैयार किया है। यह स्मार्ट इनोवेशन अरुणाचल प्रदेश के 16 हजार फीट की ऊंचाई वाले दुर्गम पहाड़ी इलाकों में काम करने के लिए बनाया गया है, जिससे सैनिकों को जरूरी सामान तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह नया सिस्टम कामेंग हिमालय रीजन में भारतीय सेना तक रसद पहुंचाने में मददगार है। यहां न तो रास्ता है, न ही कोई दूसरा वाहन पहुंच सकता है। पहाड़ों में, संकरे रास्तों, ढीली चट्टानों, अप्रत्याशित मौसम और

सीमित ऑक्सीजन के कारण छोटी दूरियाँ भी लंबी और कठिन लगती हैं। सैनिकों को अक्सर अपनी पीठ पर कई जरूरी सामान ढोने पड़ते थे। इसमें समय और मेहनत के साथ एक्स्ट्रा एफर्ट लगाने होते थे। अब, मोनो रेल से समय और मेहनत दोनों बचेंगे। साथ ही जोखिम भी कम होगा। गजराज भारतीय सेना की चौथी कॉर्प्स है। इसकी स्थापना 4 अक्टूबर 1962 में भारत-चीन युद्ध के समय हुई थी। इसका मुख्यालय तेजपुर असम में है।

जाको राखे साईंया मार सके न कोए...

जहां गई 13 जान वहां खड़े दो पुलिसवालों को खरोंच न आई, ब्लाइंड स्पॉट ने बचाया

एजेंसी

नई दिल्ली। कहते हैं कि जाको राखे साईंया, मार सके न कोए.. जी हां लाल किले बम धमाके के दौरान दिल्ली पुलिस के दो हवलदार के साथ ऐसा ही हुआ है। लालकिले चौकी में तैनात हवलदार अजय चहल व एक अन्य हवलदार बाल-बाल बच गए। दिल्ली पुलिसकर्मियों में चर्चा है कि भगवान की विशेष कृपया से ही दोनों बचे हैं। ये दोनों पुलिसकर्मी धमाके वाली जगह से मात्र 30 से 50 फुट की दूरी पर खड़े हुए थे और इन्हें खरोंच तक नहीं आई, जबकि 300 फुट की दूसरी पर खड़े लोगों की मौत हो

गई। उत्तरी जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस समय लालकिले के सामने लाल किला पुलिस चौकी के पास बम धमाका हुआ था उस समय लाल किला पुलिस चौकी में तैनात हवलदार अजय चहल धमाके वाली जगह से मात्र 30 फुट की दूरी पर खड़े थे। उन्हें खरोंच तक नहीं आई। वहीं दूसरा हवलदार भी धमाके वाली जगह से मात्र 50 फुट की दूरी पर खड़े थे। इन दोनों को मामूली सी चोट भी नहीं लगी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये दोनों पुलिसकर्मी ब्लाइंड स्पॉट की वजह से बचे हैं। उन्होंने बताया कि जब बम धमाका होता है तो उससे विस्फोटक अन्य वस्तुएं चारों तरफ निकलती है। इन खतरनाक घातुओं से बम धमाके चारों तरफ खड़े लोगों को जान-माल का नुकसान होता है। मगर बीच में कुछ ऐसे जगह होती है जहां एक तरफ जाने वाली वस्तुओं के बीच में गैप होता है। इस गैप को ब्लाइंड स्पॉट बोलते हैं। दोनों पुलिसकर्मी इस ब्लाइंड स्पॉट वाली जगह पर खड़े थे और इस कारण दोनों ही बच गए। दोनों की पुलिसकर्मी भगवान को धन्यवाद बोलते हुए नहीं थक रहे हैं।

संपादकीय

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है। आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं। उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था। जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुरगे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है। यह खुफिया-तंत्र की भी बहुत बड़ी नाकामी है, जो इतना विस्फोटक फरीदाबाद के दो गांवों तक पहुंच गया और उसकी भनक तक नहीं लग पाई। यह भी खुलासा अब सामने आया है कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर 2021 से तुर्किए जा रहे थे। दोनों के पासपोर्ट में तुर्किए के स्टाम्प मिले हैं। जनवरी, 2025 में दोनों ने शैक्षणिक एवं पेशेवर यात्राएं कीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के जरिए यह खुलासा हुआ है कि तुर्किए में दोनों की मुलाकात जैश के हैंडलर से हुई। हैंडलर का कूटनाम 'उकासा' बताया गया है। उमर हैंडलर के निदेशों पर काम कर रहा था और 2021 की यात्रा के बाद ही 'जेहादी कट्टरवाद' की ओर गया।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।
सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बिहार में बहार है, फिर नीतीशेकुमार है

ओम वर्मा

बिहार चुनाव परिणाम के नतीजों से फिर स्पष्ट हो गया है कि बिहार में नीतीश कुमार (बिहारी डायलेक्ट में नीतीशेकुमार) की बहार अभी भी पूरे शबाब पर है। लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए को जो सीटें दी गई थीं, वास्तविक परिणामों में वे उससे भी कहीं आगे हैं।
चुनाव में मुख्य टक्कर एनडीए और महागठबंधन के बीच में थी। प्रशांत किशोर बहती गंगा में हाथ धोने की नीति के तहत पहले दौर के अरविंद केजरीवाल बनने की फिराक में थे। लेकिन वे अंतिम दौर के केजरीवाल बनकर रह गए। चुनावी रणनीतिकार होना अलग बात है और चुनाव स्वयं लड़ना अलग। खुद न खड़े होकर शायद उन्होंने अपनी थोड़ी बहुत इज्जत भले ही बचा ली हो, मगर मेरे विचार से अब रणनीतिकार के रूप में भी उनका भविष्य कुछ खास नहीं दिखाई देता है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वे न तीन में नजर आ रहे हैं न ही तेरह में! जाहिर है कि पीके बिहार के मतदाताओं की नब्ज नहीं पहचान सके। बहरहाल हम प्रमुख प्रतिद्वन्द्वियों की बात करें तो यह एनडीए की स्पष्ट ही एक लैंडस्लाइड विक्ट्री है। एनडीए की पहली तुरुप चाल यह थी कि उन्होंने नीतीशकुमार को सीएम के चेहरे के रूप में पेश किया, और दूसरी यह कि नीतीश सरकार ने महिलाओं के खाते में ठीक चुनाव से पहले जीविका दीदी व लखपति दीदी योजना के तहत दस हजार रु. की राशि पहुँचाई। (इस कदम पर प्रश्न उठाए जा सकते हैं!) वहीं महागठबंधन ने तेजस्वी को अपना सीएम फेस घोषित तो किया मगर पिता का चारा घोटाले में सजायाफ़्ता होना, नौकरी के बदले भूमि में परिवार पर आरोप लगना और उनकी हर परिवार को सरकारी नौकरी देने का शेखचिल्ली वादा उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा साबित हुआ। नीतीश कुमार का 'पलटूराम' का टैग, विधानसभा में कामकला पर व्याख्यान देना, भरी सभा में किसी के सिर पर गमला रख देना व कुछ और अवसरों पर जुबान फिसलना उन पर उम्र का प्रभाव जरूर दिखाता है मगर पूरे कार्यकाल में उन पर कभी किसी तरह का भ्रष्टाचार या परिवारवाद का कोई आरोप नहीं लगा। शायद यही कारण है कि इतने लंबे कार्यकाल के बाद भी ह्यएंटीइंकम्बैंसीह्न जैसी कोई चीज नहीं दिखाई दी। और तो और एनडीए पिछली विधानसभा से इस बार लगभग 79 सीट अधिक व गठबंधन को 77 सीटें कम मिलती दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस ने इस बार बची खुची प्रतिष्ठा को भी खोया ही है। पंक्तियों के लिखे जाने तक तो वे लेफ़्ट से भी एक सीट पीछे चल रहे हैं। कांग्रेस आरजेडी से हाथ मिलाने के बजाय अगर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ती तो स्थिति शायद कुछ बेहतर हो सकती थी। कांग्रेस को इस पर भी विचार करना चाहिए कि एक ही परिवार के भरोसे कब तक बने रहेंगे? गुलामनबी आजाद जैसे सर्वमान्य नेता आज दल से क्यों दूर बैठे हैं, इस पर भी विचार करना चाहिए। चुनाव बिहार में है और नेता कभी विदेश तो कभी मप्र में दौरे कर रहे हैं। एनडीए इसे एक तरह का ह्यपलायनह्न प्रचारित करने में सफल रही।
कांग्रेस को बहुत गंभीरता से आत्मचिंतन करने की जरूरत है। राहुल गांधी के कई बार कुछ ऐसे बयान आ जाते हैं जिन्हें बीजेपी की आईटी सेल तुरंत लपककर ऐसे भुनाती है कि एनडीए को बैठे-बिठाए लाभ पहुँच जाता है। इस ह्यराजनीतिक चतुराईह्न में कांग्रेस बीजेपी से बहुत पीछे रह गई है। बिहार में उनके सभामंच से पीएम को माँ की गाली दी जाए तो बात तो दूर तलक जाना ही थी। एटम बम या हाइड्रोजन बम और वोट चोरी के आरोप पूरी तरह निष्प्रभावी साबित हुए। जातिवाद का भूत भी अब बिहार से उतरता दिखाई दे रहा है। यादव बहुल क्षेत्रों में भी आरजेडी अपेक्षित परिणाम नहीं प्राप्त कर सकी है। महागठबंधन की निराशा तभी जाहिर हो गई थी जब उनके नेता यह कह बैठे कि तेजस्वी के हारने पर बिहार में नेपाल जैसी स्थिति हो जाएगी। आरजेडी में भाई भाई में पड़ी फूट का भी इस सफाए में कुछ योगदान माना जा सकता है। पंक्तियों के लिखे जाने तक यादव बंधु पीछे चल रहे हैं। दूसरी ओर सबको पता है कि चिराग पासवान नीतीश के विरोधी हैं, मगर एनडीए नेतृत्व ने चिराग को इस तरह से नियंत्रित किया कि उनके किसी बयान से चुनाव अभियान में कोई ह्यविरोधी स्वरह्न नहीं सुनाई दिया।
इस परिणाम से एक बात स्पष्ट है कि अगले वर्ष बंगाल के, व दो वर्ष बाद अन्य कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। अन्य दल अब कांग्रेस के साथ युति बनाना शायद पसंद न करें। इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस में एक नया व सशक्त नेतृत्व सामने आना जरूरी है। लोकतंत्र के हित में किसी एक दल का सर्वशक्तिमान बनना अराजकता को जन्म दे सकता है। इसके लिए एक सशक्त प्रतिपक्ष का होना बहुत जरूरी है, जिसके आसार फिलहाल तो कम ही दिखाई देते हैं।

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

अशोक मधुप

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती।
इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है।
न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला?
29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई।
पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था। पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे।
न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस-5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा। इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरेंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है?
एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नहीं हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की और इशारा कर रही थी। दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है?

बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासी समाज के प्रेरणास्त्रोत

नवंबर 15 को हम हर वर्ष उसी वीर आदिवासी नेता को याद करते हैं जिसने न सिर्फ अपने जनजातीय समाज के लिए बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक अनूठी छाप छोड़ी । बिरसा मुंडा वर्तमान में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने वाले इस दिन पर, भारत के आदिवासी समाज की महत्ता, उनके संघर्ष और उनके आने वाले कल की दिशा पर हमें सोचने-विचारने का अवसर मिलता है।आज, गुजरात में आयोजित धार्मिक-सांस्कृतिक समागम और आदिवासी कार्यक्रमों के बीच, वह इतिहास, उस विरासत और उस भविष्य के बारे में है जिसे हमें संजोना है । विशेष रूप से जनजाति समाज के संदर्भ में। यह आयोजन यू तो पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम के तहत मनाया जाएगा।लेकिन गुजरात मे यह आयोजन मोदी की उपस्थिति के कारण महत्वपूर्ण हो जाता है।
बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूँटी-उलीहातू क्षेत्र में हुआ था। उनकी जात-पसंद मुंडा जनजाति थी, और उन्होंने बहुत ही कम आयु में यह अनुभव किया कि उनके साथी जनजातियों की जमीन-वन-जल से जुड़ी आजादी सिमटती जा रही है। उनका आंदोलन मुख्यतः इस ओर था कि आदिवासी अपनी जमीन, जंगल और पानी के अधिकार खोते जा रहे थे ।अंग्रेज सरकार की नीतियों, जमिनदारों (जमींदारों) और मिशनरियों की गतिविधियों के चलते। उन्होंने 1894 में उलगुलान के नाम से उस विद्रोह की शुरूआत की, जो आदिवासी समाज का अपना-राज, अपनी-भूमि का नारा लेकर चला।
उनकी मृत्यु बहुत ही कम उम्र में, 1900 में हुई। लेकिन उनकी विरासत आज भी हमारे बीच जीवंत है। 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के नाम से आदिवासी समाज उन्हें याद करता है।सांस्कृतिक समागम एवं गुजरात में आदिवासी कार्यक्रमों का महत्त्वपूर्ण स्थान है।गुजरात में, आदिवासी समाज के लिए आज के दिन के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, जन-सामाजिक संवाद, कार्यशालाएँ, लोक कलाएँ, हाथ के कारीगरों का मंच, आदिवासी युवाओं का मंच सहभागी होना शामिल है। यह सिर्फ एक यादगार कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सम्मान-उत्सव है, जिसमें आदिवासी समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति, भविष्य-दृष्टि और समान अवसरों पर प्रकाश डाला जाएगा।
ये कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे आदिवासी समुदाय को केंद्र में लाते हैं । उनके द्वारा, उनके लिए युवाओं को प्रेरणा देते हैं कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें और आधुनिकता के साथ भी उन्हें अपनाएं।
सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से सामाजिक समावेशिता बढ़ती है । आदिवासी समाज के कल-कार और जीवन-शैली को पूरे समाज के सामने रखा जाता है।
जब एक कार्यक्रम के केंद्र में आदिवासी भाषा, लोकगीत-नृत्य, हस्त-शिल्प, खान-पान होता है, तो यह संकेत है कि उनकी संस्कृति अब अलग नहीं बल्कि भारत की विविधता का अभिन्न हिस्सा है।
विशेष रूप से आज के समय में, जब भारत ने जं जातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय रूप से माना है। हर वर्ष 15 नवंबर को यह एक अवसर है कि हम आदिवासी समाज के योगदान को सिर्फ स्मरण न करें बल्कि उसे उत्सव के रूप में मनाएं।

***प्रधानमंत्री की उपस्थिति एवं कार्यक्रमों की विशेषता**

आज के कार्यक्रमों में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति से यह संदेश जाता है कि केंद्र सरकार इस दिवस और आदिवासी समाज के कार्यक्रमों को कितनी गंभीरता से ले रही है। यह उपस्थिति आदिवासी समाज के लिए आत्म-सम्मान और उनकी आवाज को मान्यता देने का प्रतीक है।आदिवासी लोक-नृत्य एवं गीत संस्कृति का जश्नहोगा।
हस्त-शिल्प व कला-प्रदर्शनी और आदिवासी जीवन-शैली एवं कला-प्रवृत्तियों का प्रदर्शनकिया जायेगें। संवाद सत्रः आज की चुनौतियाँ, कल के अवसर,
योजनाओं की जानकारी और आदिवासी समाज को विकास-योजनाओं से जोड़ने का मुख्य लक्ष्य रहेगा। खेल, प्रतिस्पधाएँ, प्रेरणा-वक्तव्यआदि मुख्य है।इस तरह के समागम न केवल यादगार होंगे, बल्कि प्रेरणादायक भी होंगे।एक ऐसा पल जब जनजातीय समाज और अन्य समाज एक साथ खड़े होंगे, एक-दूसरे को समझेंगे, सम्मान देंगे और साझा भविष्य का निर्माण करेंगे।

***जनजाति समाज के लिए 'यादगार पल' क्यों?**

'यादगार पल' इसलिए क्योंकि आज के इस दिन आदिवासी समाज की जातिगत अलगाव-तल से निकलने की यात्रा को दस्तावेजित करता है। उनके हीरो को राष्ट्रीय मंच पर मान्यता मिल रही है । बिरसा मुंडा जैसे नायकों को आदिवासी समाज का प्रतीक और पूरे देश की प्रेरणा माना जा रहा है।गुजरात जैसे विविध राज्य में आदिवासी कार्यक्रम होने से यह संकेत मिलता है कि जनजाति-विषय सिर्फ खास-क्षेत्रीय नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत का विषय बन रहा है।
कार्यक्रमों के माध्यम से समाजिक समावेशिता, संस्कृति-पुनरुद्धार, युवाओं को सशक्त बनाने का अवसर मिल रहा है।और सबसे बड़ी बात है कि यह संस्कृति-उत्सव है। हम सिर्फ इतिहास याद नहीं कर रहे, बल्कि एक उत्सव-भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा ले रहे हैं।भविष्य की दिशा तय होगी। आदिवासी समाज का सशक्तिकरण बिरसा मुंडा ने जिस स्वराज-सपने को देखा था अबुआ राज, अबुआ दिशुमह्व हमारा राज्य, हमारी दिशा आज उसका स्वरूप कुछ अलग है पर संकल्प वही है।आदिवासी समाज को सम्मान, अधिकार, अवसर मिलें। वक्त की मांग है कि कार्यक्रमों से निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन हो।आदिवासी युवाओं को शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार के अवसर मिले। उनकी कलाएँ-हस्त-शिल्प सुरक्षित, समृद्ध हों।जमीन-वन-जल के अधिकार सुनिश्चित हों।
उनके अनुभव, ज्ञान-परंपरा को आधुनिक विकास के साथ जोड़ने की पहल हो।
समाज में आदिवासी-विभाग के प्रति पूर्वाग्रह कम हो, समावेश बढ़े।यदि आज का कार्यक्रम 'यादगार पल' बनाना है, तो उसके बाद कल का परिवर्तन भी जरूरी है। आदिवासी समाज के लिए यह सिर्फ एक दिन नहीं, यह एक संकल्प-प्रारंभ होना चाहिए।
आज, जब हम बिरसा मुंडा की जयंती पर एक बड़े सांस्कृतिक समागम में जुट रहे हैं।जहाँ मोदी-सराहना होंगी, आदिवासी-कलाएँ होंगी, युवाओं का उत्साह दिखेगा, तो हमें यह याद रखना है कि यह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि उत्तरदायित्व है।हमारा उत्तरदायित्व है कि इस यादगार पल को हम यादगार असर में बदलें।आदिवासी समाज की गरिमा, उनके योगदान, उनकी आकांक्षाओं को समस्त भारत के विकास-सफर में सुदृढ़ करें।
इसलिए इस 15 नवंबर को आइए हम न सिर्फ बिरसा मुंडा को याद करें, बल्कि उनके उस सपने को पुनः संकल्प करें। जहाँ आदिवासी समाज अपने अधिकारों, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान के साथ आगे बढ़े। जहाँ गुजरात में आयोजित ये कार्यक्रम सिर्फ एक आयोजन नहीं रहे, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए राह-निर्देशक बने।
शत्-शत् प्रणाम 'धरती आबा' को और आदिवासी समाज को सलाम, जिन्होंने हमें सिखाया कि स्वाभिमान के साथ इतिहास बनता है।

पूर्व रंजिश में की गई थी इंद्र की हत्या, पुलिस ने खुलासा कर दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

खुलासा करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक ने 15 हजार से पुरस्कृत कर किया उत्साहवर्धन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के निकट पर्यवेक्षण में थाना हसनपुर पुलिस द्वारा एसओजी/सर्विलांस टीम अमरोहा के सहयोग से पूर्व की रंजिश के चलते हत्या की घटना का खुलासा करते हुए कर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। ज्ञात रहे कि 4 नवंबर को इंदर पुत्र छुट्टन खड़कवंशी निवासी ग्राम लुहारी खादर थाना हसनपुर उम्र करीब 45 वर्ष का शव खेत से करीब 100 मीटर की दूरी पर वन विभाग के जंगल में पेड़ पर लटका हुआ मिला था। जिसमें 3 नवंबर को इंद्र की गुमशुदगी उनके पिता छोटन सिंह पुत्र चेतासिंह के द्वारा थाना हसनपुर पर अंकित कराई गई थी। शव मिलने के बाद थाना हसनपुर पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया था, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृत्यु का कारण एस्फैक्सिया डियू टु स्ट्रैंगुलेशन आया तथा परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 490/2025 धारा 103(1) बनाम वाइस्तवा पवन पुत्र जगदीश, सतपाल पुत्र अगन निवासी लुहारी खादर , रतन सिंह निवासी मिल्क अलीपुर खादर, मनवीर निवासी ग्राम सतेडा पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के शीघ्र खुलासा हेतु अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के कुशल पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी हसनपुर के नेतृत्व में थाना हसनपुर पर टीम का गठन किया गया। जिसके बाद गठित टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों एवं सर्विलांस के माध्यम से हत्या की घटना कारित करने वाले 02 अभियुक्तों 1.पवन पुत्र जगदीश 2.कमल पुत्र जगदीश निवासी लुहारी खादर थाना हसनपुर हाल निवासी गढावली थाना

गढमुक्तेश्वर जिला हापुड को ग्राम लुहारी खादर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त सगे भाई है तथा ग्राम लुहारी खादर में उनका मकान है । मृतक इन्दर की भतीजी नीतू और अभियुक्त की सगी बहन सीमा एक ही स्कूल में साथ पढ़ती थीं । अभियुक्त अपनी बहन सीमा को नीतू के घर जाने से रोकते थे। वर्ष 2020 के जून माह में अभियुक्त कमल ने अपनी बहन सीमा को नीतू के घर देखा । उसके जाने पर कमल ने सीमा को डांटा और एक थप्पड़ मारा। इस पर नीतू ने भी कमल को थप्पड़ मार दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। घटना से मानसिक रूप से व्यथित होकर अभियुक्त की बहन सीमा ने घर आकर फांसी लगा ली, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। परिवारजन जब बहन के शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे, उसी दौरान मृतक इन्दर ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची और प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई की थी। बहन की मृत्यु के बाद अभियुक्त ने ग्राम लुहारी खादर से अपना घर छोड़ दिया और ग्राम गढ़ावली, थाना गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़) में जाकर रहने लगे। लगभग तीन वर्ष तक अलग-अलग किराए के मकानों में रहे। इसी घटना के तनाव के अभियुक्त के पिता, जो गांव के सरपंच रहे थे उनकी मृत्यु हो गयी। बाद में लुहारी खादर में सड़क किनारे एक छोटा मकान बनाया, जिसमें पवन रहता था और भट्टे पर काम करता था । पूछताछ में अभियुक्तों ने यह भी बताया कि मृतक इन्दर बाद के वर्षों में भी उनसे लगातार विवाद करता था और पवन के प्रति व्यक्तिगत शत्रुता रखता था। पवन के इन्दर के परिवार की महिला से सम्बन्ध बन गये थे, और उसकी शादी के बाद भी दोनों की बातचीत जारी रहने से इन्दर अत्यधिक नाराज रहता था तथा पवन को जान से मारने की बात कहता था। इन्दर द्वारा करनखाल स्थित एक होटल की छत पर शराब पीते समय पवन को उसके परिवार की महिला का पीछा नहीं छोड़ने के कारण खत्म कर देने की बात कहते हुए पवन ने सुन लिया था। अभियुक्तों ने 02 नवंबर को मृतक इन्दर की हत्या करने की योजना बनायी और रात्रि लगभग 10.30 बजे दोनों अभियुक्त खेत पर बने टांड पर पहुँचे, जहाँ मृतक नशे की अवस्था में सो रहा था। अभियुक्त पवन ने इन्दर के सीने पर बैठकर उसे मारा और कमल ने पकड़ लिया, जिसके बाद पवन ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। बाद में घटना को छिपाने के उद्देश्य से शव को पेड़ पर लटकाकर आत्महत्या जैसा स्वरूप देने का प्रयास किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना का अनावरण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने वाली थाना हसनपुर पुलिस, एसओजी/सर्विलांस टीम को 15000/- रुपये नकद पुरुस्कार पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया।

यातायात माह के अंतर्गत सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में आयोजित यातायात जागरूकता रैली व जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सैदनगली/अमरोहा(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा व क्षेत्राधिकारी हसनपुर के पर्यवेक्षण में, यातायात माह 2025ह्व के अंतर्गत सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल, कस्बा सैदनगली में एक यातायात जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष सैदनगली विकास कुमार एवं पुलिस टीम द्वारा छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के महत्व, यातायात नियमों के पालन एवं अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। रैली के माध्यम से कस्बा सैदनगली के नगरवासियों को हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, तथा सड़क पार करते समय सावधानी बरतने के प्रति जागरूक किया गया। थानाध्यक्ष द्वारा छात्रों को विभिन्न यातायात संकेतों, सड़क सुरक्षा नियमों एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें अपने परिवार और समाज को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय परिसर एवं पूरे कस्बे में सड़क सुरक्षा एवं यातायात अनुशासन के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

सुभासपा की अहम बैठक, तीस नवंबर को ओमप्रकाश राजभर के कार्यक्रम की तैयारियों पर जोर

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा की एक आवश्यक बैठक पार्टी कार्यालय कैलसा रोड अमरोहा में आयोजित की गई जिसमें आगामी तीस नवंबर को होने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों और संगठन विस्तार की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए पार्टी बूथ, सेक्टर और ग्राम स्तर तक अपनी पैठ मजबूत करेगी। संगठन को मजबूती देने और नए कार्यकताओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और ऐसे समय में हर कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी समझकर गांव-गांव तक पार्टी की नीति और संदेश पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तीस नवंबर का कार्यक्रम पूरी तरह जनआंदोलन का रूप लेगा और इसके लिए सभी कार्यकताओं को अभी से जुट जाना होगा। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रियाक को राष्ट्रीय सुहेलदेव विंग का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया जबकि सुमित चौधरी सहित कई युवाओं ने सुभासपा की सदस्यता ग्रहण की जिससे संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस दौरान सभी नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत कर उन्हें जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। सभी ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, कार्यक्रम में अधिकतम भीड़ जुटाने और समन्वय को बेहतर करने पर अपने-अपने सुझाव रखे। बैठक के अंत में जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि पार्टी की मजबूती कार्यकताओं की एकजुटता में निहित है और सभी को मिलकर इस कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाना है। इस दौरान सुरेंद्र सिंह प्रधान, ललित चौहान, मोहम्मद शफी, इस्लामुद्दीन इदरीसी, ऋषि, जसबीर सिंह चौहान, सुमित चौधरी, मुजीबुर रहमान, पदम सिंह, मतलूब अहमद, बाबूराम पाल, वकील शाहिद अली, वाजिद मलिक, रमेश चौहान, संजय प्रधान, रामगोपाल जाटव, विजेंद्र कुमार, कमल सिंह, मोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

अमरोहा: हसनपुर के प्राथमिक विद्यालय जीहल में धूमधाम से मनाया बाल दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खण्ड हसनपुर के प्राथमिक विद्यालय जीहल में 14 नवम्बर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाध्यापक योगेश कुमार ने की। उन्होंने बच्चों को बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे। वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे और बच्चे उन्हें प्यार से ह्यचाचा नेहरूह्न कहकर पुकारते थे। बच्चों के चेहरे पर गुलाब की तरह मुस्कान देखना उन्हें बहुत अच्छा लगता था।इस अवसर पर सभी बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। हर

बच्चे को पेंसिल, रबर और शार्पनर भेंट किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक राजपाल, दिशा चौधरी, चुनमुन चौधरी, नरेंद्र सिंह सहित सभी स्टाफ सदस्य एवं बच्चे उपस्थित रहे। बच्चों ने चाचा नेहरू को याद कर नारे लगाए और खुशी से झूमते नजर आए।

परिवहन प्रवर्तन अधिकारी ने अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ की कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में परिवहन विभाग द्वारा अमरोहा जिले में अनाधिकृत यात्री वाहनों के विरुद्ध विशेष संयुक्त अभियान वाणिज्य कर विभाग, यातायात पुलिस और रोडवेज विभाग के द्वारा जारी रहा। गुरुवार की तरह शुक्रवार को भी इस अभियान में परिवहन विभाग की ओर से महेश शर्मा ए आर टी ओ प्रवर्तन और सुधीर सिंह पी टी ओ , वाणिज्य कर विभाग की ओर से इन्द्र पाल सिंह , सुनील शर्मा, सी टी ओ , यातायात पुलिस की ओर से अनुज मलिक टी आई , दिनेश कुमार टी एस आई और रोडवेज विभाग की ओर से के सी गौड़ ए आर एम , साजिद खान स्टेशन इंचार्ज के साथ संयुक्त रूप से प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। शुक्रवार को यह अभियान जनपद के हाईवे पर ब्रजघाट बॉर्डर से हसनपुर रोड पर और गजरौला से धनौरा रेड पर

फोकस करके चलाया गया। आज के इस विशेष अभियान में कुल 09 यात्री वाहनों के विरुद्ध अनाधिकृत संचालन में सीज एवं चालान की कार्रवाई की गई। यह वाहन सीज करने के लिए ब्रजघाट पुलिस चौकी और रोडवेज बस स्टैंड गजरौला और रोडवेज बस स्टैंड अमरोहा को उपयोग में लिया गया। इसके अतिरिक्त 50 सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन ना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। सड़क सुरक्षा नियमों जैसे हैल्मेट ना पहनना, वाहन चलाते समय मोबाइल के प्रयोग में, सड़क पर विपरीत दिशा में वाहन चलाने , बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगााकर चलाने इत्यादि के अभियोग शामिल रहे। आज कुछ वाहनों के स्वामी ए आर टी ओ प्रवर्तन से सिफारिश करवाने लगे और हड़कंप मचा रहा।कुछ वाहनों के चालक वाहन को तेज रफ्तार से भागने लगे ए आर टी ओ प्रवर्तन और टी आई की टीम ने सूझबूझ और बड़ी सावधानी पूर्वक वाहनों को रूकवाया। कुछ वाहनों के चालक हाईवे से हटकर संकरे रास्ते पर चलने लगे। लेकिन ऐसे वाहन स्वामियों को कोई लाभ नहीं मिला। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मिशन शक्ति 5.0 विशेष अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु मिशन शक्ति 5.0 2025 विशेष अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा महिलाओं का स्वच्छता में योगदान विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं समाज में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना रहा। महिलाएँ अपने समुदायों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने तथा शौचालयों के निर्माण एवं उपयोग को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देना लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं गरिमा की रक्षा होती है। इसी क्रम में आज नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा शर्मा देवी इंटर कॉलेज अमरोहा एवं हाशमी डिग्री कॉलेज अमरोहा में मिशन शक्ति 5.0 2025 विशेष अभियान के अंतर्गत इस पोस्टर प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा से विशेष अतिथि अध्यक्ष शशि जैन, उप नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी डॉ॰ बृजेश कुमार नगर पालिका परिषद अमरोहा, डी0पी0एम0 नदीम अख्तर जी जनपद अमरोहा, छवि शर्मा, वरिष्ठ लिपिक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मौ0 इल्तिजा एवं सभासद नगर पालिका परिषद अमरोहा, कॉलेज की प्राचार्य, अध्यापिकाओं सहित स्कूल की छात्राऐं आदि उपस्थित रहीं एवं छात्राओ की स्वछता के प्रति हौसला आवजाही की गयी विशेष अतिथियों द्वारा विजेता एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपने सृजनात्मक पोस्टरों के माध्यम से स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़े सशक्त संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी एवं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा को बल मिला।

बिहार में एनडीए को बहुमत मिलने पर भाजपा कार्यकताओं ने मिठाई बाटकर किया खुशी का इजहार

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- बिहार में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत मिलने पर ढवारसी के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में उत्साह दिखा। सरकार बनने की खुशी में स्थानीय कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया। भाजपा कार्यकताओं ने खुशी का इजहार करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। ढवारसी में आदमपुर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल के आवास पर जुटे कार्यकताओं ने 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद', 'नीतीश कुमार जिंदाबाद', और 'एनडीए गठबंधन जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल ने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर एनडीए के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार राज्य को विकास की नई दिशा और गति प्रदान करेगी। मिठाई बांटकर खुशी जाहिर करते हुए कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। उन्होंने संकल्प लिया कि वे जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों को पहुंचाएंगे और क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर मंडल महामंत्री प्रेम सिंह गुर्जर, हरिद्वारी सिंह खड़गवंशी, शक्ति केंद्र संयोजक अंकुर त्यागी, बूथ अध्यक्ष अंकित सागर, गिरीश गोस्वामी चंदन कोटा, यश त्यागी, लवकुश प्रधान, पंचम शर्मा आदि मौजूद रहे।

कबड्डी और खो-खो में आदमपुर तथा शीतला सराय की टीमों का दबदबा

दौड़ प्रतियोगिता में चन्दनकोटा के गोलू और कोकापुर की जासमीन ने मारी बाजी

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- न्याय पंचायत ढवारसी की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर के प्रांगण में किया गया। खेलों का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लाक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्राथमिक स्तर पर बालक वर्ग में 50 मीटर तथा 100 मीटर दौड़ में रवि दूल्हेपुर अहीर प्रथम जबकि 200 मीटर दौड़ में सतवीर प्राथमिक विद्यालय शीतला सराय प्रथम स्थान पर रहे। कबड्डी में प्राथमिक विद्यालय शीतला सराय की टीम प्रथम एवं प्राथमिक विद्यालय ढवारसी की मडैया द्वितीय स्थान पर रही। खो-खो में प्राथमिक विद्यालय शीतला सराय

की टीम प्रथम स्थान पर रही जबकि संविलियन विद्यालय आदमपुर की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर पर बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में मोनिका प्राथमिक विद्यालय ढवारसी, 100 मीटर दौड़ में काशवी प्राथमिक विद्यालय ओगारपुर प्रथम तथा 200 मीटर दौड़ में आलिया प्राथमिक विद्यालय ढवारसी प्रथम स्थान पर रहीं। कबड्डी में संविलियन विद्यालय आदमपुर की टीम प्रथम स्थान पर रही जबकि ओगारपुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। खो-खो में प्राथमिक विद्यालय शीतला सराय की टीम प्रथम स्थान पर जबकि संविलियन विद्यालय आदमपुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। उच्च प्राथमिक स्तर पर

बालिका वर्ग में 100 मीटर तथा 400 मीटर दौड़ में जासमीन उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर प्रथम, 200 मीटर दौड़ में ज्योति उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर प्रथम तथा 600 मीटर दौड़ में आयशा संविलियन विद्यालय आदमपुर प्रथम स्थान पर रही। कबड्डी में संविलियन विद्यालय आदमपुर की टीम प्रथम स्थान पर रही। जबकि खो--खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर की टीम प्रथम स्थान पर रही। बालका वर्ग में 100, 200 तथा 600 मीटर दौड़ में गोलू उच्च प्राथमिक चन्दनकोटा प्रथम, 400 मीटर दौड़ में शेखर उच्च प्राथमिक चन्दनकोटा प्रथम स्थान पर रहे। लंबी कूद में आशु सागर उच्च प्राथमिक विद्यालय सांथलपुर प्रथम स्थान पर रहे। विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खेल प्रभारी जयवीर सिंह, एआरपी महीपाल सिंह, शिक्षक संघ के जिला महामंत्री जगवीर सिंह, चन्द्रपाल सिंह, सुधीर चंद कटारिया, प्रदीप कुमार, विपिन कुमार, अजय कुमार, दयाचंद सिंह, अजयपाल सिंह, काविन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, गुलाब सिंह, अनिल कुमार, रामप्रसाद सिहं, अमित कुमार शर्मा, अजब सिंह, सोनू कुमार, रामकिशोर सिंह, प्रमोद कुमार, अमित कुमार सैनी, विजेंद्र सिंह, किरण राणा, अभिलाषा रानी, रीमा चौधरी, प्रमिला सिसौदिया, साधना त्यागी आदि मौजूद रहे।

डीएम ने कस्तूरबा आवासीय विद्यालय बुढ़नपुर का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कस्तूरबा आवासीय विद्यालय बुढ़नपुर, जनपद अमरोहा का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम कस्तूरबा गांधी विद्यालय में निमार्णाधीन कंप्यूटर लैब और डॉक्यूमेंट्री रूम और शौचालयों का निरीक्षण किया जिसके निरीक्षण में जिलाधिकारी ने कंप्यूटर लैब की लिंटर, बीम की गुणवत्ता ठीक न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और पीडब्ल्यूडी और आरईडी द्वारा कराये जा रहे इस कार्य की गुणवता की जांच निर्देश दिए क्योंकि कंप्यूटर लैब का लिंटर और बीम झोल लिये हुये था। उन्होनें कहा कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता मान्य नही होगा। जिलाधिकारी ने विद्यालय में संचालित कक्षा 6, कक्षा 7 और कक्षा 8 में जाकर सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी और छात्राओं को मिठाई खिलाई। बाल दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्राओं को किट भी वितरित की और जो छात्रायें खेलकूद व अच्छे अंक प्राप्त कर पास हुई है उनको पुरस्कार देकर सम्मानित किया और सभी छात्राओ के उज्जवल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कक्षाओं में जाकर छात्राओं से अध्यापकों द्वारा सही से

शिक्षा प्राप्त हो रही है अथवा नही, विद्यालय में भोजन सही प्रकार मिल रहा है आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को निर्देश दिये कि छात्राओं को बाल शिक्षा, स्वास्थ्य आदि सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर डाक्यूमेन्ट्री अवश्य दिखाई जाये ताकि छात्रायो को उसका लाभ प्राप्त हो सके। कक्षाओं में जाकर छात्राओं की उपस्थिति की अवलोकन किया, जिसमें 100 छात्राओं के नामांकन है जिसमें 94 छात्रायें उपस्थित पायी गई। 06 अनुपस्थित छात्राओं के बारे में जानकारी प्प्राप्त कर जिलाधिकारी से वार्डन को निर्देश दिये कि गंगा स्नाान की छुट्टी उपरान्त क्यों नही आयी उनके घर फोन का जानकारी प्राप्त करें यदि फोन से सम्पर्क नही होता है तो उनके घर जाकर जानकारी प्राप्त कर यदि छात्रायें बीमार है तो उन्हें सी0एच0सी0 मे भर्ती कर उनका उचित प्रकार ईलाज कराये। जिलाधिकारी ने लाइब्रेरी हॉल, कम्प्यूटर शिक्षा की भी जानकारी प्राप्त की और अध्यापकों की रजिस्टर की उपस्थिति पंजिका, गाड्र्स की तैनाती का भी बारीकी से अवलोकन किया और उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए गाड्र्स की जानकारी प्राप्त की और सीसीटीवी कैमरे में सुबह 5.00 बजे गार्ड के उपस्थित है अथवा नहीं है खुद चेक किया। उन्होंने गार्डन को निर्देश दिए की कोई भी छात्रा कस्तूरबा गांधी प्रांगण से बाहर न जाए इसलिए उन्होंने बच्चों के आने व जाने का रजिस्टर भी चेक किया। जिलाधिकारी ने बच्चियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए योगा क्लास लगाने के लिए निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जो छात्रायें कुछ बनना चाहती हैं जैसे डॉक्टर, टीचर, एडवोकेट तो उनकी उसे ड्रेस में फोटो क्लिक कर लगवाएं

ताकि वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये मेहनत कर सके। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने छात्रावास की सघन जांच की और वहां साफ सफाई और खिड़कियों की हालत सही करने के निर्देश दिया ताकि ठंड में किसी प्रकार की समस्या न हो और प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की जांच की। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने कक्षा 08 के उपरांत पास होने वाली छात्राओं की जानकारी प्राप्त की कक्षा 09 में उन्होंने एडमिशन लिया है अथवा नहीं लिया है तो किस स्कूल में लिया है और नहीं लिया है तो क्यों नहीं लिया है क्योकिं हमारा उद्देश्य सभी बालिकाओं को उच्च शिक्षा तक लेकर जाना है। उन्होंने मिशन शक्ति के प्रोग्राम की जानकारी भी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए की बच्चियों को गुड टच बैड टच की जानकारी अवश्य दी जाए और जनपद की जो भी वर्किंग वुमन है चाहे वह लेखपाल हो, अध्यापिका हो ,ब्लॉक प्रमुख हो, नगर पालिका अध्यक्षों या अन्य अधिकारी हो उनकी प्रत्येक शनिवार को एक विजिट अवश्य कराया करें ताकि बच्चों को सीखने को मिलेगा यह महिलाएं आगे बढ़ रही है हमें भी इनकी तरह आगे बढ़ाना है इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए और उन्होंने सेल्फ डिफेंस के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए जो जनपद के समस्त कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के बीच आयोजित होगी। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि बच्चों को औद्योगिक क्षेत्र, स्वयं सहायता समूह सिलाई या मसाले की फैक्ट्री आदि पर कार्य कर रही है वहां विजिट अवश्य करायें ताकि बच्चियों उनसे इंस्पायर होकर आगे बढ़े। जिलाधिकारी ने निरीक्षण में क्वालिटी ऑफ फूड की भी जांच की। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालय में नियमितता और अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी कर्मचारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने छात्राओं को मेहनत से पढ़ाई करने और भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर दिया कि स्वच्छ वातावरण बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि बालिकाओं को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, और इसके लिए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी चाहिए। उसके बाद जिलाधिकारी द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज, बुढ़नपुर में प्रोजक्ट अलंकार के अर्न्तगत बनाई जा रही बाउन्ड्री बॉल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये और कहा मानक के अनुसार निर्माण कार्य किया जाये। इस अवसर पर उन्होने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आदि सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी में फंसे 15 हजार रुपये पुलिस ने कराए वापस, पीड़ित ने की सराहना

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम पंवारी निवासी भीमसैन के फोन को अज्ञात हैकर्स ने निशाना बनाया और उनके खाते से 15 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। घटना 28 अक्टूबर की थी, जब पीड़ित ने तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल कर एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल थाना बबराला की टीम ने पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, एएसपी (दक्षिणी) एवं नोडल साइबर क्राइम अनुकृति शर्मा आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह तथा एएसपी/क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी आईपीएस के निर्देशन में त्वरित जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ठगी की राशि झारखंड के ईस्ट सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित केएस मार्ट (K.S MART, रोड नंबर 2, वेस्ट लेआउट, सोनारी) के खाते में ट्रांसफर हुई थी। टीम ने आरोपी की पहचान कर 14 नवंबर को पूरी 15 हजार रुपये की राशि पीड़ित भीमसैन के खाते में वापस करा दी। इस सफल कार्रवाई से पीड़ित ने साइबर टीम की भरपूर प्रशंसा की और पूर्ण संतुष्टि जताई। पुलिस अधीक्षक ने कहा ह्लसाइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हमारी टीम चौबीसों घंटे मुस्तैद है। यह मामला समयबद्ध समाधान का उदाहरण है। यह घटना साइबर जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित करती है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि संदिग्ध लिंक या कॉल पर सतर्क रहें और तुरंत 1930 पर

बिहार में एनडीए की जीत पर भाजपा विधायक राजीव तरारा के आवास पर जश्न,एक दूसरे को मिठाई खिलाकर दी बधाई

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- बिहार में एनडीए की सरकार बनने पर अमरोहा जनपद में जश्न का माहौल है। पूरे जनपद में भाजपा कार्यकर्ता बिहार में भाजपा की सरकार बनने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां दे रहे हैं, जिसके चलते मंडी धनौरा विधायक राजीव तरारा ने भी गजरौला अपने आवास पर कार्यकताओं और समर्थकों संग मिलकर खुशी मनाई, इस मौके पर विधायक और उनके समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं मौके पर मौजूद भाजपा समर्थकों ने ढोल नगाड़ों की धुन पर जमकर डांस किया। इस दौरान विधायक राजीव तरारा का आवास भाजपा जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। इस मौके पर विधायक राजीव तरारा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत से बनेगी, साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भी भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। राजीव तरारा ने बताया कि बिहार में विपक्षी पार्टियों ने जनता को गुमराह करने की हर मुमकिन कोशिश की लेकिन वहां की जनता ने भाजपा की एनडीए सरकार पर भरोसा जताते हुए फिर से भाजपा की सरकार बनाई है।

एनडीए की रिकॉर्ड तोड़ जीत पर मनाया गया जश्न

हसनपुर अमरोहा (सब का सपना):- बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल करने पर भाजपा कार्यकताओं ने जीत का जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकताओं ने मिठाईया बाटी और एक दूसरे को मिठाई खिलाई और एक दूसरे को बधाई दी। बता दें, कि शुक्रवार को बिहार में एनडीए को बहुमत मिलने पर चेयरमैन राजपाल सैनी के आवास पर लोगो नें एक दुसरो को बधाइयां दी। इस खुशी के अवसर पर विधान परिषद सदस्य डॉ. हरी सिंह ढिल्लों कार्यकताओं के बीच पहुंचे। और भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और पार्टी के समर्थन में नारे लगाऐ। वही दूसरी और विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने भी अपने कैंप कार्यालय/आवास पर एनडीए की जीत का जश्न मनाया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारीयों, कार्यकर्ताओ के साथ मिठाई बाँटी। इस अवसर पर देवेंद्र खड़कवंशी, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, अभिनव कौशिक, प्रशांत सैनी, मुकेश गुप्ता, राहुल प्रजापति, चंदन प्रजापति, सचिन गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, श्याम प्रजापति, अर्पण गुप्ता, विक्रम शर्मा, नितिन सैनी, अंकुर अग्रवाल, संजय शर्मा और हजारो की तादाद में लोग मौजूद रहे।

बिहार में एनडीए को बहुमत मिलने पर भाजपा कार्यालय में मिठाई बाटकर की गई खुशी जाहिर

अमरोहा (सब का सपना):- बिहार में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत मिलने पर जनपद भर के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं में उत्साह दिखा। सरकार बनने की खुशी में जनपद भर के कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया। भाजपा कार्यकताओं ने खुशी का इजहार करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। भाजपा कार्यालय पर जुटे कार्यकताओं ने 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद', 'नीतीश कुमार जिंदाबाद', और 'एनडीए गठबंधन जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर एनडीए के

नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार राज्य को विकास की नई दिशा और गति प्रदान करेगी। मिठाई बांटकर खुशी जाहिर करते हुए कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। उन्होंने संकल्प लिया कि वे जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों को पहुंचाएंगे और क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव- 2025 में भाजपा व सहयोगी दलों एनडीए की प्रचंड विजय पर राष्ट्रीय व प्रदेशीय नेतृत्व सहित भाजपा व एनडीए के सभी विधायकों को हार्दिक बधाई व उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस चुनाव में प्राप्त शानदार जीत देश क यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के सुशासन के प्रति जनता के आशीर्वाद और अटूट विश्वास का प्रतिफल है। बिहार प्रदेश की सभी विधानसभाओं की देवतुल्य जनता का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ

यातायात, मिशन शक्ति और साइबर जागरूकता पर छात्रों की निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे यातायात माह नवंबर के तहत थाना बहजोई पुलिस ने राजकीय इंटर कॉलेज लहरावन बहजोई में एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में यातायात जागरूकता, मिशन शक्ति अभियान और साइबर जागरूकता को केंद्र में रखते हुए छात्र-छात्राओं के लिए निबंध लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में कॉलेज के सैकड़ों बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न विषयों पर आधारित निबंध और रंगीन चित्रों के माध्यम से छात्रों ने यातायात नियमों का पालन,

महिलाओं की सुरक्षा तथा साइबर अपराधों से बचाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी रचनात्मकता दिखाई। प्रतियोगिता के परिणामों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे अन्य बच्चों में भी जागरूकता और उत्साह का संचार हुआ। थाना प्रभारी बहजोई ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल ज्ञान बढ़ाते हैं, बल्कि सुरक्षित समाज की नींव रखते हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यातायात माह के दौरान ऐसे कार्यक्रम जनपद भर में जारी रहेंगे, ताकि युवा पीढ़ी जिम्मेदार नागरिक बने। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ब्लाक संसाधन केंद्र करनपुर , हसनपुर में मेजरमेंट कैम्प का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका के निर्देश पर शुक्रवार को समग्र शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा के तत्वाधान में एलिम्को कानपुर के सहयोग से दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण एवं उपस्कर उपलब्ध कराए जाने हेतु मापन शिविर का आयोजन ब्लाक संसाधन केंद्र करनपुर , हसनपुर पर आयोजित किया गया। कैंप में कुल 131 बच्चों का परीक्षण किया गया, तथा कैंप में लगभग 114 दिव्यांग बच्चों को उपकरण/उपस्कर चिन्हित किए गए जिसमें पीएम श्री योजना अंतर्गत 05 बच्चों को उपकरण एवं उपस्कर चिन्हित किया गया। कैंप में चिन्हित हुए दिव्यांग छात्र-छात्राओं को जनवरी 2026 में 21 ट्राई साइकिल 18 व्हीलचेयर 10 कैलीपर 11 बैसाखी 05 ब्रेसलेट 21 श्रवण यंत्र का वितरण ब्लॉक संसाधन केंद्र हसनपुर में किया जाएगा। कैंप में प्रशांत कुमार जिला

समन्वयक समेकित शिक्षा , एलिम्को कानपुर पुनर्वास विशेषज्ञ महेन्द्र कुमार, रवि कुमार एवं अमन, ऑडियोलॉजिस्ट सूरज कुमार ,अरुण कुमार खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरोहा समस्त स्पेशल एजुकेटर मुकेश, दिवाकर,सुरेंद्र , सभाजीत ,रमाशंकर मनीष,कविराज,प्रणवीर, इत्यादि , एवं बीआरसी हसनपुर के समस्त स्टाफ संदीप ,ललतेश,राहुल ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।अन्त में प्रशान्त कुमार जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) ने ब्लाकों से आये हुए दिब्यांग बच्चों को जलपान कराया व कैम्प में सहयोग के लिए सभी कर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सशक्त नारी, सशक्त समाज अभियान शुरू, लड़कियों के सशक्तिकरण पर जोर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बाल अधिकार सप्ताह के अवसर पर कोएलिशन टू एम्पावर गर्ल्स (UPCEG) ने जनपद संभल में ह्यसशक्त नारी, सशक्त समाज अभियान की शुरूआत की। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदायों, विद्यालयों और युवाओं को एकजुट कर सुरक्षित, समान और सहयोगपूर्ण वातावरण बनाना है, ताकि हर बच्चा–विशेषकर हर लड़की–सीख सके, बढ़ सके और अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सके। पी डी टंडन सेवा संस्थान, बहजोई ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, चंदौसी में इस अभियान का नेतृत्व किया। संस्थान ने बच्चों और समुदाय सदस्यों को विभिन्न गतिविधियों, कार्यशालाओं और संवाद सत्रों से जोड़ा। इन कार्यक्रमों का फोकस बाल एवं किशोर कल्याण को बढ़ावा

देना, सरकारी योजनाओं व सेवाओं की जागरूकता फैलाना और युवाओं के लिए सुरक्षित स्थान बनाने पर रहा। कार्यक्रम में संस्थान की सचिव अर्चना टंडन ने UPCEG के दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा, यह अभियान समुदाय स्तर पर लड़कियों के सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं की जानकारी बढ़ाने पर केंद्रित है। मिलान बी द चेंज के एसोसिएट डायरेक्टर (सिस्टम्स स्ट्रेंथनिंग) जावेद अब्बास ने बताया कि यह UPCEG के छह माह लंबे राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा है, जो 20,500 से अधिक किशोरियों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और संरक्षण संबंधी सरकारी योजनाओं, हेल्पलाइन व अवसरों की जानकारी पहुंचाएगा। 92 लड़कियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका संचालन पूजा पांडेय ने किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का स्टाफ सक्रिय रूप से शामिल रहा। अरोही फाउंडेशन के अंकुश, ने वित्तीय साक्षरता पर सेशन लिया, जबकि संस्थान के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर हेमंत बाबू ने साइबर सुरक्षा की जागरूकता दी। संस्थान की सचिव अर्चना देवी ने सभी का आभार जताया

और बीईओ सर व वार्डन जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।अभियान मार्च 2026 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तक चलेगा। यह उत्तर प्रदेश के वंचित क्षेत्रों की किशोरियों तक पहुंचकर सामूहिक कार्रवाई और सतत वकालत से स्थायी परिवर्तन लाएगा।

क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें जिले के व्यापारियों ने भाग लिया एवं जिसमें व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री गौरीशंकर चौधरी ने सम्भल के मुख्य बाजार में होने बाले जाम की समस्या को प्रमुखता से उठाया तथा ब्रेकरों को मानक के अनरूप बनाने की बात कही। जिसपर क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी ने तुरंत प्रभाव से जीरो ई-रिक्शा के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया। अजय अग्रवाल ने जिला अस्पताल के सामने लगने बाले जाम की समस्या को उठाया, हर्षित शर्मा ने डिवाइडर पर रिफलेक्टर लगाने की बात कही, शाह आलम मंसूरी ने चंदौसी में रेलवे फाटक की समस्या को उठाया। सागर गुप्ता ने चंदौसी में ट्रेफिक लाइट लगाने की बात कही। इस अवसर पर व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रभारी उप निरीक्षक यतेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक अरुण कुमार अवस्थी, सिराज, दीपक गुप्ता एवं व्यापारी बन्धु मौजूद रहे।

आर.एस.इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय बाल दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- शुक्रवार को वन नेशन वन इलेक्शन जिला संभल के द्वारा नगर चंदौसी के आर.एस.इंटर कॉलेज,चंदौसी में राष्ट्रीय बाल दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष व आर.एस. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, दिनेश पाल सिंह तोमर व विशिष्ट अतिथि जिला संयोजक आकाश कुमार के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन कर किया गया। जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता का शीर्षक 'चाचा नेहरू' और 'वन मिशन, वन इलेक्शन'; 'पर्यावरण','मेरा प्रिय नेता,सरदार वल्लभभाई पटेल' एवं 'बेरोजगारी की समस्या' पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रस्तुति का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को शील्ड वह प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें राम मंदिर रचना में क्लास छहः के चार छात्रों ने स्थान प्राप्त किया, जिसमें आयुषी को सांत्वना, तृतीय पुरस्कार खुशी को द्वितीय पुरस्कार और दीक्षा को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके अलावा वन नेशन वन इलेक्शन प्रतियोगिता में क्लास ग्यारहवीं की छात्रा प्राची को सांत्वना पुरस्कार क्लास आठवीं की छात्रा संध्या को तृतीय पुरस्कार कक्षा 11 की छात्रा खुशी को तृतीय पुरस्कार और कक्षा 11 की छात्रा सिमरन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस दौरान कार्यक्रम अध्यक्ष आर.एस. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य

दिनेश पाल सिंह ने छात्र व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों का सम्मान करना चाहिए। आज के दिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि बच्चे केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि अन्य चीजों में भी आगे बढ़ें। बच्चों का मनोबल बढ़ाएं और उनकी हर छोटी-छोटी खुशियों में उनका साथ दें। अंत में यही कहूंगा कि बच्चों के बिना दुनिया अधूरी है। जिला संयोजक, आकाश कुमार ने कहा कि बच्चों के रूप में हमें अपनी जिम्मेदारियों को भी याद रखना चाहिए। हमें अपने शिक्षकों और माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, नियमों का पालन करना चाहिए और हमेशा नई चीजें सीखने का प्रयास करना चाहिए। अंत में यही कहना चाहूंगा कि हम सब बाल दिवस को खुशी के साथ मनाएं और पंडित नेहरू की शिक्षाओं को याद करें।

कार्यक्रम के संचालक वीके त्रिपाठी ने वंदे मातरम रचना के डेढ़ सौ वर्ष पूर्ण होने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वंदे मातरम, ये एक शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है। वंदे मातरम, ये एक शब्द हमें इतिहास में ले जाता है। ये हमारे आत्मविश्वास को, हमारे वर्तमान को, आत्मविश्वास से भर देता है, और हमारे भविष्य को ये नया हौंसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं, ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके। सम्मान समारोह के अंत में संगठन के पदाधिकारियो द्वारा विद्यालय के शिक्षकों का सम्मान पटका पहनकर व एक-एक कलम देकर किया गया। इस दौरान दिनेश पाल सिंह तोमर, आकाश कुमार, वीके त्रिपाठी, भुवनेश पाल, सत्येंद्र दिवाकर, आकाश राघव, इंद्रजीत सिंह, कंचन राघव, देवेंद्र सिंह कावेंद्र गौड़ इत्यादि संगठन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी तथा विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय मानव कल्याण समिति ने बीएलओ द्वारा घर-घर दिए गए फार्मो को सही तरीके से भरने के लिए समझाने हेतु लगाया शिविर

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- भारतीय मानव कल्याण समिति के विनायक मार्ग स्थित कार्यालय पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के अंतर्गत मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन किया। समिति प्रबन्धक डॉ टीएस पाल ने बताया एसआईआर के अंतर्गत प्रत्येक बूथ के बीएलओ द्वारा घर-घर दिए गए फार्मो को सही तरीके से भरने के लिए समझाने हेतु शिविर लगाया गया क्योंकि जरा सी चूक होने पर वोट कट सकता है।

बड़ी ही सतर्कता से फॉर्म भरने के उद्देश्य से लोगो को जागरूक किया तथा बीएलओ का पूर्ण सहयोग करने का आग्रह किया । अंत मे दिल्ली में हुए ब्लास्ट के दौरान मारे गए लोगो की आत्मा को शांति प्रदान करने एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए दो मिनट का मौन धारण करके ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस दौरान डॉ टी एस पाल, सुशील कुमार भोलेनाथ, ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ जयशंकर दुबे, आकाश कुमार शर्मा, रतन कुमार वार्ष्णेय, श्याम सुंदर दुबे, कमल कश्यप, दीपक कुमार, बृजकिशोर, दिनेश चंद्र, विक्रम सिंह,मुनीश आदि उपस्थित रहे।

बाल अपराधों के खिलाफ जागरूकता अभियान तेज, कस्तूरबा गांधी विद्यालय में बच्चों को दिलाई शपथ

सम्भल(सब का सपना):- बाल अपराधों की रोकथाम, बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल तस्करी को समाप्त करने के उद्देश्य से जनपद सम्भल में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन, प्रयत्न संस्था एवं जिला प्रशासन के सहयोग से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से बाल अपराध मुक्त भारत और बाल अपराध मुक्त सम्भल बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में स्कूली बच्चों को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई गई और जागरूकता रैली निकाली गई।

कार्यक्रम में संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी की टीम के फील्ड

कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद ने बच्चों को बाल अपराधों के विभिन्न रूपों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसके खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। बच्चों ने शपथ ली कि वे बाल विवाह को रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और अपने आसपास होने वाली किसी भी ऐसी घटना की सूचना तुरंत देंगे।

सिराज अहमद ने बताया कि किसी भी बाल अपराध की जानकारी चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या पुलिस हेल्पलाइन 112 पर दी जा सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रयासों से 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें बच्चों ने नारे लगाते हुए समाज को जागृत करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय की वार्डन विमलेश कुमारी सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। जिला प्रशासन और संस्थाओं की यह पहल जनपद के विभिन्न स्थानों पर जारी है, जिससे स्कूली बच्चों के माध्यम से व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाई जा रही है।

हर बच्चा एक अनगढ़ हीरा है। उसे तराशकर चमकाना ही विद्यालय और समाज का सर्वोपरि कर्तव्य- डॉ. दुर्गा टंडन

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- खतियान मोहल्ला चंदौसी स्थित सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल में बाल दिवस का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन बड़े ही गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रांगण में सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात बच्चों ने बाल दिवस की महत्ता पर आधारित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें कविताएँ, समूह-गीत, नृत्य तथा लघु-नाटिका कला प्रतियोगिता,विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. दुर्गा टंडन ने बाल दिवस के अवसर पर अपने

प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत करते हुए कहा हर बच्चा एक अनगढ़ हीरा है। उसे तराशकर चमकाना ही विद्यालय और समाज का सर्वोपरि कर्तव्य है। बच्चों की मुस्कान, उनकी सृजनशीलता और उनका जिज्ञासु मन ही राष्ट्र के भविष्य को दिशा देता है। यदि हम बच्चों में स्वतंत्र चिंतन, नैतिक मूल्य और आत्मविश्वास का बीज रोप दें, तो वही आने वाले कल का सशक्त भारत निर्मित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि नेहरू जी का बच्चों के प्रति प्रेम केवल एक भाव नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि ह्यनव पीढ़ी ही विकास की असली वाहक है ह्ल डॉ. टंडन ने विद्यालय के सभी बच्चों को अपने सपनों को निडरता से साकार करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, क्लब प्रतियोगिताएँ और विभिन्न खेल गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लाला लाजपत राय के प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार गुप्ता, बीनू शर्मा सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों/ वालवाटिक पर बाल मेला आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत जनपद के को-लोकेटेड आगनवाडी केंद्रो / वालवाटिक पर आज 14 नवम्बर बाल दिवस के अवसर पर ,""बाल मेला का आयोजन जनपद के सभी केंद्रों पर आयोजित किस गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक बाल्यवस्था और शिक्षा और विकास में परिवार और समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण होती है ।

अभिभावक और समुदाय का आगनवाडी केंद्रो के साथ संवाद औऱ सहयोग बच्चों को सीखने प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और समृद्ध बनाता है। राष्ट्रीय पाठचर्या

की रूपरेखा बुनियादी शिक्षा 2022 के अनुसार शिक्षक और अभिभावकों के बीच सतत संवाद न केवल बच्चे की शैक्षिक यात्रा को बेहतर बनाता बल्कि बच्चे के समग्र विकास को बेहतर बनाता है। यह विचार आज बीएसए कुशीनगर डॉ रामजियावन मौर्य ने कसया विकास खण्ड के अंतर्गत वालवाटिका केंद्र प्राथमिक विद्यालय नरकटिया बुजुर्ग का स्थलीय निरीक्षण कर दिया। बीएसए मौर्या ने विभिन्न गतिविधियों में सफल बच्चों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि जनपद के सभी को- लोकेटेड आगनवाडी केंद्र पर यह आयोजन किया जा रहा है। इसमे आईसीडीएस विभाग के सभी आगनवाडी कार्यकत्री को पहले ही निर्देश दिया जा चुका है । आज जनपद के 1259 केंद्रो पर 1500 रुपए की धनराशि कार्यक्रम को बेहतर बनाने और बच्चों के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों को कराये जाने का निर्देश भी दिया जा चुका है। इस अवसर पर बीईओ कसया अशोक यादव, नोडल एसआरजी राम प्रकाश पाण्डेय, एआरपी आशुतोष दुबे, आरती दुबे, शैलेश कुमार, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नसरीन अख्तर, प्रीती मिश्रा, प्रीती श्रीवास्तव, स्वाती शुक्ला, अंकित दुबे, वंदना यादव, प्रतिभा राय, रविन्द्र प्रसाद , अभिभावक गण किरण देवी, मीना देवी, रंजन देवी, सीमा देवी, मूर्ति देवी, सरस्वती, देवी, मंजू देवी, बच्चे सपना, क्रीतका नेहा परी, अमित, आयुष, सूचिता, सलोनी उपस्थित रहे ।

सी.एम.टी.सी. विकास भवन मे तीन दिवसीय विजन 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफल शुरूआत

अमरोहा (सब का सपना):- सी.एम.टी.सी. केन्द्र, विकास भवन अमरोहा में आज तीन दिवसीय विजनझ्र2 प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्साहपूर्वक किया गया। उद्घाटन सत्र में जिला मिशन प्रबंधक (DMM) मानवेन्द्र सिंह, प्रशिक्षक महेश सिंह तथा प्रशिक्षक अर्चना सक्सेना उपस्थित रहे। मानवेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी, समय की अनुशासनबद्धता और प्रशिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के पेशेवर विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के मुख्य सत्र में प्रशिक्षक महेश सिंह ने विजनझ्र2 कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह

कार्यक्रम कौशल उन्नयन, कार्यक्षमता में सुधार, नेतृत्व क्षमताओं का विकास, तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप प्रशिक्षण तथा संगठन के दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। उन्होंने विषय-वस्तु के चयन, प्राथमिकता निर्धारण तथा प्रशिक्षण की रूपरेखा के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रशिक्षक अर्चना सक्सेना ने प्रशिक्षण को रोचक बनाने के लिए दर्पण खेल, सहभागी गतिविधियाँ तथा परिचय के रचनात्मक तरीकों का अभ्यास कराया। उनकी सहभागिता आधारित विधि से प्रतिभागियों में उत्साह और सीखने की रुचि और भी बढ़ी।इस अवशर पर मधु देवी महेश सिहँ, कुसुम आदि मौजूद रहे

बच्चों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना समाज की जिम्मेदारी: कृष्ण कुमार

संवाददाता

कुशीनगर। कसया नगर स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय रामधारी शास्त्री द्वारा स्थापित हीरोज मेमोरियल स्कूल में बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि नपं चेयरमैन कृष्ण कुमार जायसवाल और समाजसेवी ओम प्रकाश जायसवाल ने किया और बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र वितरित किया और कहा कि बच्चों को सुरक्षित, संस्कारिक और शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना समाज की जिम्मेदारी है। मेले में याशिका सिंह, श्रेयशी

गुप्ता, रजयारंधन सिंह, आदित्य, एहावनी, अंश, विशाल, राधिका, सोम्मी सिंह, अथमा, अब्दुस, ओमी, सोहैब, अनुपम, नैतिक, स्वेजल आदि ने स्टॉल लगाए, जिनमें दही भल्ला, फास्ट फूड, पेस्ट्री, पानी पूरी, कला प्रदर्शन, कॉफी, खेल गतिविधियाँ तथा कृत्रिम आभूषण सहित कई आकर्षक सामग्री उपलब्ध रही। अभिभावकों ने बच्चों द्वारा लगाए गए स्टॉलों से विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं सामग्री खरीदकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। विद्यालय के प्रबंधक आनंद शेखर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।संचालन एवं व्यवस्था में शिक्षक आदित्य, निशा, शालिनी, सुशील, इरफान, स्वजेल, शिवांगी, पुष्पा, रेनू, स्वेता, कौसिकी, अल्कना, रागिनी, प्राची, प्रज्ञा, अन्नू, तनु तथा अंकिता का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त हरिप्रिया, नाविका, आन्या, आराध्या, तैय्यबा, किन्नजल, अनुप्रिया, अनुष्का, आलिया आदि विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मधुमेह दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित, विशेषज्ञों ने दिए नियंत्रण के टिप्स

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- श्री नारायण सेवा समिति (रजि.) के तत्वावधान में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर बदायूं रोड स्थित ब्रज धाम कॉलोनी में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मधुमेह के लक्षणों, कारणों, इतिहास और गंभीर परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा इसे नियंत्रित रखने के सुझाव दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए समिति अध्यक्ष सुभाष वार्ष्णेय ने कहा कि शुगर का स्तर असामान्य होने पर अधिक प्यास लगना, धुंधला दिखाई देना, मतली, उल्टी, सुस्ती और भ्रम जैसे लक्षण प्रकट हो जाते हैं। ब्रजगोपाल गुप्ता ने बताया कि मधुमेह रोगी के शरीर में अग्नाशय निष्क्रिय हो जाने पर इंसुलिन हार्मोन का निर्माण बंद हो जाता है, जो एक भयानक स्थिति है। के. जी. गुप्ता ने ऐतिहासिक तथ्य साझा करते हुए कहा

कि कनाडा के टोरंटो शहर में फ्रेडरिक बैंटिंग ने चार्टरा के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज की थी। विपिन गुप्ता ने सामान्य लक्षणों पर जोर देते हुए बताया कि बार-बार पेशाब आना, अत्यधिक प्यास या भूख लगना मधुमेह के प्रमुख संकेत हैं। डॉ. राजकुमार गोयल ने चेतावनी दी कि शुगर स्तर 600 तक पहुंचने पर हाइपर ऑस्मोलर हाइपर ग्लासेमिक सिंड्रोम जैसी जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे निर्जलीकरण और कोमा तक हो सकता है। एडवोकेट हरीश कठेरिया ने कहा कि शुगर को नियंत्रित न करने पर नसें खराब होकर हृदय, किडनी, आंखें और पैर प्रभावित होने लगते हैं। डॉ. जयशंकर दुबे ने मधुमेह के प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कम उम्र में टाइप-1 और अधिक उम्र में टाइप-2 मधुमेह होता है। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी हालत में शुगर स्तर 240 से अधिक नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी राजवीर सिंह ने की तथा संचालन हरीश कठेरिया ने किया। इस अवसर पर सत्यपाल सिंह, सुबोध शर्मा एडवोकेट, दुर्गेश ठाकुर, अभिषेक चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजन ने लोगों में मधुमेह जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऐतिहासिक प्रचंड जीत पर बीजेपी कार्यकताओं ने आतिशबाजी और मिठाई बांटकर मनाई खुशी

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- शुक्रवार को नगर चंदौसी स्थित फुब्बारा चौक पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल चंदौसी द्वारा बिहार में एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक प्रचंड जीत के लिए भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर आतिशबाजी के साथ भारत माता की जयघोष करते हुए जश्न मनाया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता मंजू दिलेर, नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, सुधीर मल्होत्रा, गिरीश रतन, तरुण नीरज, मनोज दिवाकर, डॉ टी एस पाल, शुभम अग्रवाल, अभिनव शर्मा, मनोज कठेरिय,

विनोद विन्नी, राजकुमार ठाकरे, यश मदान, सावन शर्मा, देवेन्द्र गुप्ता, राजकुमार यादव, आकाश आहूजा, आशा गोस्वामी, मोक्षिका शर्मा, दीपक मोदी, चिंटू शर्मा, क्रांति कुमार, अजय प्रजापति आदि रहे।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, जगह-जगह धमाके

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर वहां की अदालत फैसला सुनाने वाली है। इससे ठीक पहले बीते दो दिनों से देश में आगजनी और क्रूड बम हमलों से तनाव का माहौल है। इन हिंसक घटनाओं ने 2024 के अशांत छात्र विरोध प्रदर्शनों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें 500 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। गुरुवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका एक किले में तब्दील हो गई है, क्योंकि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 'ढाका लॉकडाउन' का आह्वान किया है। पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। ढाका के प्रवेश बिंदुओं पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं और सार्वजनिक वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के आसपास भी कड़ी कर दी गई है। आपको बता दें कि यही अदालत शेख हसीना और उनके शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत में शरण लेने आई थीं। उनपर हत्या और साजिश सहित दर्जनों आरोप हैं। राजनीतिक तनाव ने ढाका में जनजीवन ठप कर दिया है और आगजनी तथा क्रूड बम हमलों की घटनाएं राजधानी से बाहर गाजीपुर और ब्राह्मणबारिया जैसे शहरों तक फैल गई हैं। 'द डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने हिंसा के लिए अवामी लीग समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। ब्राह्मणबारिया में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को आग लगा दी गई, जिससे फर्नीचर और दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए। आपको बता दें कि बांग्लादेश के इस ग्रामीण बैंक की स्थापना मुहम्मद यूनुस ने 1983 में गरीबों को माइक्रो-क्रेडिट (सूक्ष्म ऋण) प्रदान करने के लिए की थी। यूनुस वर्तमान में बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख हैं।

'तुम्हारी कितनी बीवियां हैं?' जब व्हाइट हाउस में ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति से पूछा चौंकाने वाला सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अभूतपूर्व कूटनीतिक घटना के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा का स्वागत किया। अहमद अल शरा को एक समय अमेरिका ने आंतकी घोषित किया था और उन पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। अब उन्हीं अहमद अल शरा के नाम को न सिर्फ अमेरिका ने आतंकी सूची से हटाया बल्कि व्हाइट हाउस में बतौर आधिकारिक मेहमान उनका स्वागत भी किया। कुछ साल पहले तक इस बात की कल्पना भी मुश्किल थी। व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी खूब चर्चा हुई। दरअसल ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति को एक परफ्यूम गिफ्ट किया। इस दौरान ट्रंप ने बाकायदा परफ्यूम खोलकर उसे सीरियाई राष्ट्रपति को लगाया। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि यह बेहतरीन परफ्यूम है। एक तुम्हारे लिए हैं और दूसरा तुम्हारी पत्नी के लिए। इसके बाद ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति से मजाकिया अंदाज में पूछा कि आपकी कितनी बीवियां हैं? इस पर सीरियाई राष्ट्रपति ने हंसते हुए एक बताया। इसके बाद वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं के बीच हुई यह मुलाकात इस साल हुई दूसरी मुलाकात है। इससे पहले मई 2025 में सऊदी अरब में दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई थी। वहीं किसी भी सीरियाई राष्ट्रपति का यह पहला अमेरिकी दौरा है। अल शरा पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट कर सीरिया के राष्ट्रपति पद पर काबिज हुए थे।

कनाडा में मिले जयशंकर-रुबियो, मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़ी उम्मीद बढ़ी

टोरंटो, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर अभी कनाडा के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने बुधवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय व्यापार और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे रहे। यह बैठक कनाडा के नियाग्रा क्षेत्र में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच न्यायसंगत व्यापार समझौता लगभग तैयार है। साथ ही वह जल्द ही भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क (टैरिफ) को कम करेंगे। पिछले कुछ महीनों में भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ा है, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था। जयशंकर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई। हमने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। साथ ही यूक्रेन, मध्य पूर्व और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। यह जयशंकर और रुबियो की पिछले दो हफ्तों में दूसरी मुलाकात थी।

पाक में चलेगी आसिम मुनीर की मनमानी, शहबाज ने सुप्रीम कोर्ट से छीनी शक्ति, भड़के इमरान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक ऐतिहासिक और विवादास्पद संवैधानिक संशोधन पारित किया जिसके तहत सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्यापक नई शक्तियां मिलेंगी और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस संशोधन के तहत जनरल आसिम मुनीर को 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' नामक एक नए शीर्ष पद पर नियुक्त किया जाएगा। इस पद के माध्यम से उन्हें थलसेना, नौसेना और वायुसेना - तीनों सेनाओं की औपचारिक कमान मिल जाएगी। कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि मुनीर अपने कार्यकाल के बाद भी रैंक बरकरार रखेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा प्राप्त रहेगी।

यह संशोधन विधेयक संसद के निचले सदन में हंगामे के बीच दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया। कुल 234 वोट पक्ष में और केवल चार विरोध में पड़े। संसद सत्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो ज़रदारी मौजूद थे। विधेयक अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के लिए भेजा गया है, जिनके हस्ताक्षर की उम्मीद बुधवार रात तक की जा रही है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ ने सत्र का बहिष्कार किया और विधेयक की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया। पीटीआई अध्यक्ष गोहर अली खान ने आरोप लगाया कि सरकार एक और विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग बना रही है और कहा, 'इस संशोधन के पारित होने के बाद लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा।

विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ़्फ़ुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान ने इस संशोधन के खिलाफ जन आंदोलन का ऐलान किया था, लेकिन फिलहाल उसका विरोध संसद और सार्वजनिक बयानों तक सीमित है।

नए कानून के तहत राष्ट्रपति अब प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस दोनों की नियुक्ति करेंगे। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी का पद नवंबर 2025 में समाप्त कर दिया जाएगा। सरकार को अब फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट जैसे आजीवन मानद सैन्य पद प्रदान करने की भी शक्ति होगी।

साथ ही संशोधन में 'फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट' की स्थापना का भी प्रावधान है, जो संवैधानिक मामलों की व्याख्या करेगी, जबकि सुप्रीम कोर्ट की भूमिका नागरिक और आपराधिक मामलों तक सीमित रहेगी। कानून मंत्री आजम नजीर तारड़ ने संशोधन का बचाव करते हुए कहा कि यह विकास की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसे देशभर के विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि यह कदम सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और न्यायपालिका को कमजोर करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है।

आसिम मुनीर की तारीफ में बिछे शहबाज : जहां एक तरफ बिल की कड़ी आलोचना हो रही है वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस संशोधन को राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम बताया है। शरीफ ने इस मौके पर आसिम मुनीर को देश का हीरो भी बताया। शरीफ ने कहा, 'इसमें क्या गलत है? देश अपने हीरो का सम्मान करते हैं। हम जानते हैं कि अपने नायकों के प्रति सम्मान कैसे दिखाया जाए।'

आर्मी के हाथों में परमाणु कमांड : 27वें संविधान संशोधन का एक बहुत खास हिस्सा है नेशनल स्ट्रैटजिक कमांड (एनएससी) का गठन। यह कमांड पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और मिसाइल सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण करेगी।

अब तक यह जिम्मेदारी नेशनल कमांड अथॉरिटी के पास थी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे, लेकिन अब से एनएससी के पास इसकी जिम्मेदारी हो जाएगी। एनएससी का कमांडर भले ही प्रधानमंत्री की मंजूरी से नियुक्त होगा, लेकिन यह नियुक्ति सेना प्रमुख की सिफारिश पर ही होगी। सबसे जरूरी यह पद सिर्फ आर्मी के अफसर को ही दिया जाएगा। इससे देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अब पूरी तरह सेना के हाथ में चला जाएगा।

कोर्ट में जजों की नियुक्ति सरकार के हाथों : इस बिल में आठ नए संशोधन जोड़े गए हैं, जो सीनेट के पहले मंजूर संस्करण का हिस्सा नहीं थे। सबसे बड़ी बदलाव न्यायपालिका से जुड़ी है। अब सभी संवैधानिक मामले सुप्रीम कोर्ट से हटाकर 'फेडरल कांस्टीट्यूशनल कोर्ट' में बदल जाएंगे, जिसके जजों की नियुक्ति सरकार करेगी। हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने कई सरकारी नीतियों को रोका था और प्रधानमंत्रियों को पद से हटाया था, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

अमेरिका में जैविक सामग्री तस्करी मामले में चीनी वैज्ञानिक दोषी, सजा पूरी होने के बाद होगा निर्वासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में जैविक सामग्री की तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक चीनी वैज्ञानिक ने बुधवार को अदालत में अपना अपराध कबूल कर लिया। हालांकि अदालत ने उसे पहले से जेल में बिताए पांच महीने की सजा को ही अंतिम माना और अब उसे रिहा कर चीन वापस भेजा जाएगा। 33 वर्षीय यूनकिंग जियान, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक लैब में अस्थायी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही थीं, को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने प्रेमी जुनयोंग लियू के साथ मिलकर अमेरिका में एक खतरनाक फफूंदी (फंगस) लाने की साजिश रची थी।

यह फफूंदी फ्युजेरियम ग्रामिनेरम नाम के एक रोगजनक है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसी फसलों पर हमला कर सकती है और उन्हें बर्बाद कर सकती है। यह फफूंदी अमेरिका के कुछ इलाकों में मौसम और फसल की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए पहले से मौजूद होती है, लेकिन इसे विदेश से बिना सरकारी अनुमति लाना कानूनन अपराध है।

गंभीर नुकसान की आशंका थी- सरकारी वकील : वहीं अमेरिकी सरकारी वकील माइकल मार्टिन ने अदालत में कहा कि इस कृत्य से 'गंभीर नुकसान' की आशंका थी, हालांकि उन्होंने विस्तार

से यह नहीं बताया कि नुकसान कैसे हो सकता था। उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह सबूत नहीं है कि उसने बुरी नीयत से यह किया, लेकिन यह भी सबूत नहीं है कि उसने मानवता के भले के लिए किया।' मामले की संघीय न्यायाधीश सुसान डेकलर्क ने इस मामले को बहुत अजीब बताया और कहा कि आरोपी एक 'बेहद योग्य शोधकर्ता' हैं। इस मामले में सरकारी वकील ने जहां दो साल की सजा की मांग की थी, वहीं जज ने केवल पांच महीने की सजा दी, जो जियान पहले ही जेल में काट चुकी थीं। यूनकिंग जियान को अदालत में जंजीरों में पेश किया गया, उन्होंने अदालत से माफी मांगी और कहा कि वह दबाव में थीं। अपने लिखित बयान में उन्होंने लिखा, 'मैंने नियमों का पालन नहीं किया क्योंकि मुझ पर शोध को आगे बढ़ाने और परिणाम देने का दबाव था। मेरा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि फसलों को बीमारियों से बचाने के तरीकों पर काम करना था।

म्यांमार की वायुसेना में रूस और चीन के विमान-हेलिकॉप्टर्स हुए शामिल, अब अभियान तेज करेगी सेना?

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार ने अपनी वायुसेना में रूस के हेलिकॉप्टर और चीन के विमान शामिल किए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद म्यांमार के सैन्य शासन को हथियार और उपकरण मुहैया करा रहे हैं, ताकि देश में जारी खूनी गृहयुद्ध को समाप्त किया जा सके।

प्रतिबंधों के बावजूद हथियार मुहैया करा रहे चीन-रूस : अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यांमार पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, रूस और चीन लगातार म्यांमार की सेना को सैकड़ों मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और उपकरण दे रहे हैं।

सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएंगे विमान-हेलिकॉप्टसः सेना : सेना की ओर से जारी तस्वीरों में तीन रूसी एमआई-38टी हेलिकॉप्टर और दो चीनी वाई-8 विमान दिखाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका इस्तेमाल पर्वतीय इलाकों में सैनिकों को भेजने के अभियानों में किया जाएगा। सेना ने कहा कि परिवहन विमान म्यांमार की वायु सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएगा। इन विमानों को सात नवंबर को राजधानी नेपीडॉ में आयोजित एक समारोह में शामिल किया गया।

कूटनीतिक दबावों के बावजूद हथियार खरीद रही सेना : म्यांमार के शीर्ष सैन्य शासक जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक हालात स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सभी प्रकार के विमानों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सिंगापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान (आईआईएसएस) के विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, रूस से मिल रहे नए हेलिकॉप्टर्स और विमानों की आपूर्ति दिखाती है कि आर्थिक और कूटनीतिक दबावों के बावजूद म्यांमार की सेना अब भी जरूरी उपकरण हासिल कर रही है और रूस इसके लिए जीवनरेखा बना हुआ है। रक्षा खुफिया कंपनी 'जेंस' के मुताबिक, म्यांमार रूस के निर्यात का पहला ज्ञात ग्राहक है जिसने एमआई-38टी हेलिकॉप्टर खरीदे हैं।

अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन 43 दिन बाद खत्म

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक सरकारी फंडिंग बिल पर साइन किए, जिससे 43 दिन से जारी शटडाउन खत्म हुआ। इस बिल को हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (निचले सदन) ने 222-209 के अंतर से पास किया था। हालांकि, इसमें हेल्थ केयर प्रोग्राम एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) के प्रीमियम टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने का कोई वादा नहीं किया गया, जो 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा हैं। यह विधेयक सीनेट (उपरी सदन) में पहले ही पास हो चुका है।

ट्रम्प ने बिल पर साइन करने से ठीक पहले कहा, 'देश इससे बेहतर स्थिति में कभी नहीं रहा। यह एक महान दिन है।' यह बिल सरकार को 31 जनवरी तक फंडिंग उपलब्ध कराएगा। विधेयक के तहत एजेंसियों को 31 जनवरी तक कर्मचारियों की छंटनी करने से रोका जाएगा। वहीं, डेमोक्रेटिक के कुछ

लीडर्स ने एसीए सब्सिडी के टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने की लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा- यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, हम लड़ते रहेंगे।

रिपब्लिकन सांसद बोले- शटडाउन टीवी शो जैसा : यह वोटिंग डेमोक्रेट्स के न्यू जर्सी और एरीजोना में हुए हाई-प्रोफाइल चुनावों में जीत हासिल करने के आठ दिन बाद हुआ है। पार्टी के कई लोगों का मानना था कि इससे स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी, जो साल के अंत में समाप्त होने वाली है। हालांकि इस समझौते के तहत दिसंबर में सीनेट में इन सब्सिडी पर मतदान होने का वादा किया, लेकिन हाउस में ऐसा कोई वादा नहीं किया गया है। रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने इसे एक ऐसा टीवी शो बताया जिसमें असल मुद्दा समझ ही नहीं आया। जबकि डेमोक्रेट सांसद मिकी शेरिल ने कहा कि सदन ट्रम्प का रबर स्टैंप न बने जो बच्चों से खाना और इलाज छीन रहा है, और देश से हार न मानने की अपील की।

डेमोक्रेट्स ने लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया : बुधवार रात हाउस ने फंडिंग बिल पास करने के बाद डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज, व्हिप कैथरीन क्लार्क और कॉकस चेयर पीट एगुइलर ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि वे गरीब और मध्यम वर्ग के अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य बीमा सस्ता बनाने वाले इन क्रेडिट्स को तीन साल के लिए बढ़ाने के लिए संघर्ष करेंगे। हकीम जेफ्रीज ने कहा, 'यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। हम आज लड़ेंगे, कल लड़ेंगे, इस हफ्ते लड़ेंगे, अगले हफ्ते लड़ेंगे, इस महीने लड़ेंगे, अगले महीने लड़ेंगे, हम तब तक लड़ेंगे जब तक हम अमेरिकी लोगों के लिए यह लड़ाई जीत नहीं लेते।

ट्रम्प बोले- सरकार खुलते ही मिलकर हल करूंगा : ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) को 'हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए मुनाफा और अमेरिकी लोगों के लिए आपदा' बताया था। ट्रम्प का कहना है कि सब्सिडी के बजाय लोगों को सीधे पैसे देकर उन्हें अपनी पसंद का इंश्योरेंस खरीदने की सुविधा दी जानी चाहिए।

फेंटानिल से जुड़े 13 रसायन चीन में प्रतिबंधित, काश पटेल बोले- राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच हुई अहम बातचीत के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सामने आया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने बताया कि चीन ने फेंटानिल नाम के घातक ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले 13 रासायनिक तत्वों को अब आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित सूची में डाल दिया है। साथ ही, चीन ने ऐसे 7 रासायनिक कारखानों पर भी नियंत्रण लगाने का फैसला किया है, जो अब तक इस ड्रग के निर्माण में भूमिका निभा रहे थे।

हजारों अमेरिकियों की बचेगी जान- पटेल : काश पटेल ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, 'अब चीन ने पूरी तरह से कदम उठाया है। फेंटानिल बनाने वाले सभी 13 केमिकल्स को सूचीबद्ध कर दिया गया है और 7 कंपनियों को भी नियंत्रण में लिया गया है। इस फैसले के बाद फेंटानिल का जो 'पाइपलाइन' चीन से मेक्सिको और दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता था, वह अब बंद हो गया है।' काश पटेल ने कहा कि यह कदम हजारों अमेरिकियों की जान बचाएगा, क्योंकि फेंटानिल अमेरिका में ओवरडोज से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण बन चुका था।

राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी- काश पटेल : उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया। 'यह सब राष्ट्रपति ट्रंप की मजबूत नेतृत्व क्षमता के बिना संभव नहीं था। उन्होंने अमेरिकी जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह किसी भी राष्ट्रपति की तरफ से उठाया गया पहला और ऐतिहासिक कदम है जिससे फेंटानिल के संकट को रोका जा सकेगा।' उन्होंने ट्रंप प्रशासन, अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे), एफबीआई टीम और चीन में अमेरिकी राजदूत परड्यू की भी सराहना की, जिन्होंने जमीन पर बातचीत कर यह समझौता संभव किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भी फैसले पर दी प्रतिक्रिया : यह घोषणा ठीक उस समय आई है जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा था, 'चीन ने साफ कहा है कि वह अमेरिका में फेंटानिल के प्रवाह को रोकने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेगा। वे फेंटानिल संकट को खत्म करने में मदद करेंगे।' फेंटानिल एक सिंथेटिक (कृत्रिम) ड्रग है जो बेहद शक्तिशाली होता है। यह मॉर्फिन से करीब 50 गुना ज्यादा असरदार होता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी जानलेवा हो सकती है। अमेरिका में हर साल लाखों लोग फेंटानिल ओवरडोज से अपनी जान गंवाते हैं। वहीं इस मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन अपने वादे पर कायम रहता है।

दिल्ली कार ब्लास्ट जांच पर अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं, वे पेशेवर तरीके से संभाल रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार विस्फोट की जांच में भारत की मदद करने की पेशकश की है। हालांकि, विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारतीय अधिकारी इस जांच को बहुत ही पेशेवर तरीके से संभाल रहे हैं। कनाडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा, 'हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मुझे लगता है कि वे इन जांचों में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है और वे अच्छा काम कर रहे हैं।'

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी-7 बैठक के इतर रूबियो से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दिल्ली विस्फोट भी शामिल था। जयशंकर ने कहा था, 'दिल्ली विस्फोट में जान गंवाने वालों पर संवेदना के लिए उनका आभार। द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया और इंडो-पेसिफिक पर विचार साझा किए।' उन्होंने बताया था कि राजधानी हाई अलर्ट पर है और आतंकी कनेक्शन की जांच चल रही है। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका ने कहा था कि वह दिल्ली की स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़े तो मदद देगा।

क्या बोले मार्को रूबियो : रूबियो का यह बयान जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर एक मीडिया वार्ता के दौरान आया। यहां जब उनसे भारत में आतंकी हमले की घटना को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जांच को

लेकर भारत की तारीफ करनी होगी। वे काफी सधे और सतर्क रहे हैं। साथ ही उन्होंने पेशेवर तौर पर जांच की है। यह जांच अभी जारी है। यह साफ तौर पर एक आतंकी हमला था। यहां एक कार थी, जो खतरनाक विस्फोटकों से लदी थी और जिसमें ब्लास्ट ने कई लोगों की जान ले ली।

उन्होंने आगे जोड़ा, 'मुझे लगता है कि वे जांच में काफी अच्छा काम कर रहे हैं और जब उनके पास तथ्य होंगे, तब वे तथ्यों को सामने भी रखेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि उन्होंने इसे लेकर भारत के अपने समकक्ष एस. जयशंकर से भी बात की। उन्होंने कहा कि हमने मदद की पेशकश की, लेकिन भारत अपने आप में जांच को संभालने में काफी सक्षम है और उसे मदद की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की गंभीरता का अंदाजा है और हमने इसके बढ़ने को लेकर बात भी की। हम इंतजार करेंगे कि जांच में क्या सामने आता है। हमने मदद की पेशकश की, लेकिन उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। वे पहले ही बेहतर काम कर रहे हैं।' गौरतलब है कि जयशंकर और रूबियो के बीच कनाडा के ओंटारियो में जी7 बैठक के इतर मुलाकात हुई। चर्चा के दौरान रूबियो ने दिल्ली धमाके में मौतों को लेकर संवेदना जाहिर की। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों पर भी चर्चा की।

डेमोक्रेट्स ने जारी किए एपस्टीन के ईमेल: ट्रंप पर लड़कियों की जानकारी रखने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों की ओर से जारी किए गए जेफ्री एपस्टीन के ईमेल्स में दावा किया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एपस्टीन के यौन तस्करी से जुड़ी नाबालिग लड़कियों के बारे में जानकारी थी और वे एक पीड़िता के साथ उसके घर पर घंटों रहे थे। अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने बुधवार को ये ईमेल सार्वजनिक किए, जिनसे ट्रंप और एपस्टीन की पुरानी दोस्ती और संभावित जानकारी पर नए सवाल उठे हैं। 2011 के एक ईमेल में एपस्टीन ने अपनी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को लिखा, तुम समझो कि जो अब तक चुप है, वह ट्रंप है। उसने आगे कहा कि ट्रंप मेरे घर पर घंटों एक लड़की के साथ रहे, जिसे कमेटी ने एक पीड़िता बताया है। एक अन्य ईमेल में एपस्टीन ने पत्रकार माइकल वोल्फ को लिखा कि बेशक ट्रंप को लड़कियों के बारे में पता था, उसने गिस्लेन से रोकने को कहा था। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस पर कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन था जेफरी एपस्टीन : न्यूयॉर्क शहर में जन्मे और पले-बढ़े एपस्टीन ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत डाल्टन स्कूल में एक शिक्षक के रूप में की। 1976 में स्कूल से निकाले जाने के बाद उन्होंने बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां उसने कई पदों पर काम किया। 2005 में फ्लोरिडा पुलिस ने जेफरी एपस्टीन के खिलाफ जांच शुरू की। दरअसल, एक माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एपस्टीन ने उनकी 14 वर्षीय बेटी का यौन शोषण किया। जांच से पता चला कि एपस्टीन ने 36 लड़कियों का यौन शोषण और उत्पीड़न किया था, जिनमें से कुछ 14 साल की थीं। उसने दो मामलों में दोषी होने की दलील दी और 2008 में उसे दोषी ठहराया गया। हालांकि, एपस्टीन ने केवल 13 महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उसे कथित तौर पर एक विवादास्पद सौदे के कारण रिहा कर

दिया गया, क्योंकि उस पर केवल दो अपराधों के लिए आरोप लगाया गया था। इस बार न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोप में। मुकदमे के दौरान सीरियल यौन अपराधी ने अगस्त में अमेरिकी जेल में आत्महत्या कर ली।

एपस्टीन फाइल्स क्या हैं : जेफरी एपस्टीन की जांच के दौरान मिली सामग्री (जिसमें दस्तावेज, संपर्क सूची, कॉल रिकॉर्ड और चैट, वीडियो, उनके सहयोगियों और ग्राहकों के नाम, अन्य जांच डेटा शामिल हैं) को एपस्टीन फाइल्स कहा जाता है। अमेरिकी सरकार ने एपस्टीन जांच और एपस्टीन से संबंधित सामग्रियों की आंतरिक समीक्षा को स्वीकार किया है। हालांकि, अभी तक केवल चुनिंदा रिकॉर्ड ही जारी किए गए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के खिलाफ वर्जीनिया गिफ्रे के 2015 के मानहानि के मुकदमे से जुड़े हैं, जिसमें फ्लाइट लॉग, गवाहों की गवाही, संपर्क सूचियां और एपस्टीन की गतिविधियों से जुड़े अन्य सबूत शामिल हैं। इसमें कई हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के नाम हैं, जो सामाजिक, पेशेवर या एपस्टीन से जुड़े थे। हालांकि, इन दस्तावेजों में नाम होना स्वाभाविक रूप से गलत शख्स होने का संकेत नहीं है, क्योंकि कई लोग सामाजिक अवसरों पर एपस्टीन से अचानक ही मिलते थे। दस्तावेजों को चरणों में जारी किया गया, जिनमें से महत्वपूर्ण बैचों को जनवरी 2024 और फरवरी 2025 में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी के तहत अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से खोला गया।

एपस्टीन फाइल्स में किस-किस के नाम : फरवरी 2025 में अमेरिकी न्याय विभाग के एक दस्तावेज से पता चला था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पॉप आइकन माइकल जैक्सन, अभिनेता एलेक बाल्डविन और फिल्म निर्माता हार्वे वीनस्टीन उन हस्तियों में शामिल थे, जो जेफरी एपस्टीन की संपर्क सूची में थे। हालांकि, इन लोगों की संलिप्तता के बारे में जांच से जो पता चला है, वह अभी भी जनता के लिए खुला नहीं है। न्याय विभाग के दस्तावेज में कई अन्य हाई-प्रोफाइल नाम शामिल थे, जैसे कि न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर और संगीतकार कोर्टनी लव। अन्य लोगों में सुपरमॉडल नाओमी कैंपबेल, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की मां एथेल कैनेडी, पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, दिवंगत सीनेटर टेड कैनेडी, वकील एलन डर्सोविट्ज और अभिनेता डस्टिन हॉफमैन और राल्फ फिएनेस शामिल थे।

पहला टेस्ट : दक्षिण अफ्रीका को 159 पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने बनाये 37/1

–बुमराह ने लिए 5 विकेट

कोलकाता (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने यहां के ईडन गार्डन मैदान में शुक्रवार से शुरु हुए पहले टेस्ट में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 159 रनों पर समेटकर अपनी पकड़ बना ली है। भारतीय टीम ने इसके बाद पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बना लिए थे। खराब रोशनी के कारण मैच करीब 20 मिनट पहले समाप्त हो गया। इस प्रकार भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर अभी 122 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर 6 रनों पर खेल रहे थे। भारतीय टीम का एकमात्र विकेट यशस्वी जायसवाल का गिरा। यशस्वी मार्को यानसन की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे। वहीं इसे बाद राहुल और सुंदर ने खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केशव महाराज ने भी अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तानी टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है जो उन्हें भारी पड़ गया। टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 159 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर ने 24, टॉनी डि जॉर्जी ने 24, रेयान रिक्लेटन ने 23, काइल वेरेने ने 16, सिमोन हार्मर ने 5, तेम्बा बावुमा ने 3 और कॉर्बिन बॉश ने 3 रन बनाए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक तीन विकेट पर 105 रन बनाये। लंच के समय वियान मुल्डर 22 और टोनी डि जोर्जी 15 रन बनाकर खेल रहे थे। मेहमान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की पर और उसकी शुरुअत ठीक रही। एडेन मार्करम ने 31 और रियान रिकेलटन ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 9 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव ने 7 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। बुमराह ने दो ओवर के अंदर ही दोनों को आउट कर भारतीय टीम को मैच में वापसी करायी। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा

बावुमा को केवल तीन रन पर आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने चोटिल कागिसो रबाडा की जगह कोर्बिन बॉश को शामिल किया है जबकि भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा स्पिनर ऑलराउंडर, अक्षर पटेल ओर कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में उतरा है।

लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत, लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

कुमामोतो (जापान) (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए कुमामोटो मास्टर्स जापान के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में 21-13, 21-17 से हराया।

लक्ष्य ने दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबलों में सातवीं जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। इस साल सितंबर में हांगकांग ओपन में उपविजेता रहे दुनिया के 15वें नंबर के इस खिलाड़ी के सामने अंतिम चार में जापान के छठे वरीय और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी केंटा निशिमोतो की चुनौती होगी।

पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने इस दौरान अपने खेल में शानदार नियंत्रण दिखाकर दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों 4-4 से बराबरी पर थे, लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक के समय 11-8 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल किए और 18-9 की बढ़त बनाने के बाद आसानी से यह गेम अपने नाम कर लिया। लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और शुरुआत में सेन के साथ 9-9 की बराबरी पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दबदबा कायम करते हुए स्कोर को 15-9 कर ली। सिंगापुर के खिलाड़ी ने अंतर को 17-18 कर दिया लेकिन लक्ष्य ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए गेम के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बुमराह ने बनाया रिकार्ड, सबसे ज्यादा बोल्ड आउट करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां पहले ही टेस्ट में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बुमराह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड आउट करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने दिग्गज पूर्व स्पिनर आर अश्विन को पीछे छोड़ा है।

बुमराह के अब तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 152 विकेट बोल्ड आउट करते हुए लिए हैं। ये किसी भारतीय गेंदबाज के तीसरे सबसे अधिक बोल्ड विकेट हैं। वहीं इस मामले में पहले नम्बर पर दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले हैं। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड करने का रिकार्ड है। उन्होंने 186 विकेट बोल्ड लिए हैं। वहीं कपिल देव दूसरे नंबर पर हैं, उन्होंने 167 विकेट बोल्ड करते हुए लिए हैं। वहीं अश्विन 151 बोल्ड विकेट के साथ चौथे और रविंद्र जडेजा 145 बोल्ड विकेट लेकर पांचवें नंबर पर खिसक गये हैं। भारत में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत के मामले में बुमराह पहले नंबर पर हैं।

17.12 - जसप्रीत बुमराह (56 विकेट)

18.38 - रिची बेनो (52 विकेट)

20.91 - रवींद्र जडेजा (246 विकेट)

21.57 - रवि अश्विन (383 विकेट)

22.10 - मोहम्मद शमी (76 विकेट)

22.23 - कुलदीप यादव (51 विकेट)

भारत की नंबर-3 पोजिशन पर फिर विवाद, पूर्व क्रिकेटर ने साई सुदर्शन को बाहर करने पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच से ठीक पहले टीम प्रबंधन ने बल्लेबाज साई सुदर्शन को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया। इस फैसले ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोड्डा गणेश की कड़ी प्रतिक्रिया को जन्म दिया। उन्होंने नंबर-3 जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर लगातार बदलावों को टीम की 'बिना सोच-समझ की रणनीति' बताया। 2023 में चेतेश्वर पुजारा को हटाने के बाद से भारत इस जगह पर कई खिलाड़ियों को आजमा चुका है, लेकिन स्थिरता अब भी दूर है। गणेश ने चार स्पिनरों को खिलाने की रणनीति पर भी सवाल उठाए।

नंबर-3 के लिए वाशिंगटन सुंदर का चयन, सुदर्शन को बाहर

भारत ने पहले टेस्ट के लिए नंबर-3 बल्लेबाज के रूप में साई सुदर्शन की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया है। सुदर्शन ने अब तक पाँच टेस्ट खेले हैं और नौ पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 273 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हाल में खेले गए दो अनौपचारिक टेस्ट में भी उन्होंने 32, 12, 17 और 23 रन की पारियां खेली थीं। उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कई विशेषज्ञों का मानना था कि उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए था। लेकिन टीम प्रबंधन ने अचानक बदलाव करते हुए सुंदर पर भरोसा जताया, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

'नंबर-3 पर बिना विजन म्यूजिकल चेयर खेल रहे हैं'

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर टीम प्रबंधन के इस फैसले की जमकर आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'नंबर-3 टेस्ट टीम में सबसे अहम जगह है। लेकिन भारत बिना किसी विजन के लगातार खिलाड़ियों को बदल रहा है। विश्वास नहीं हो रहा कि टेस्ट स्तर पर ऐसा हो रहा है। साई सुदर्शन को यह टेस्ट खेलना चाहिए था।' गणेश के अनुसार इस स्थान पर भारत की निरंतरता की कमी विदेशी परिस्थितियों में टीम की बल्लेबाज़ी को कमजोर बनाती है।

चार स्पिनर खिलाने पर भी उठाए सवाल

भारत ने कोलकाता टेस्ट में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे चार स्पिनरों के साथ उतरने का फैसला किया है। गणेश इस फैसले से भी असहमत दिखे। उनका कहना था, ÷पिच कितनी भी स्पिन-अनुकूल क्यों न हो, चार स्पिनर खिलाने की कोई जरूरत नहीं थी।' गणेश के अनुसार, एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज टीम को ज्यादा मजबूती देता, खासकर जब युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की बात हो।

पुजारा के हटने के बाद नंबर-3 की मुश्किलें जारी

2023 WTC फाइनल में हार के बाद भारत ने चेतेश्वर पुजारा को टीम से बाहर किया और उसके बाद से इस स्थान पर लगातार प्रयोग किए हैं। केएल राहुल, शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर जैसे बल्लेबाज़ों को आजमाया गया, लेकिन नियमित सफलता सिर्फ गिल के घरेलू प्रदर्शन में ही देखी गई। विदेशी पिचों पर यह स्लॉट अब भी भारत की सबसे बड़ी कमजोरी बना हुआ है।

कुलदीप 150 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तीसरे गेंदबाज बने

कोलकाता । भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले ही दिन अपने 150 विकेट पूरे किये। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर आउट करने के साथ ही ये उपलब्धि हासिल की है। कुलदीप ने अपने 150 विकेट 87 पारियों में हासिल किये। कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर ही ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराकर अपने 150 विकेट पूरे किये । कुलदीप भारत की ओर से बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले ये उपलब्धि भारतीय टीम की ओर से रविंद्र जडेजा और जहीर खान ने हासिल की थी। इसके अलावा कुलदीप भारत में 150 विकेट हासिल करने वाले दूसरे बतौर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं। कुलदीप ने अपनी ही धरती पर 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का कारनामा बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर सबसे तेजी से किया है। कुलदीप ने केवल 87 पारी में ये आंकड़ा हासिल किया है। इससे पहले जहीर खान ने 135 पारी और जडेजा ने 200 पारी में 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट बाएं हाथ के गेंदबाज़ के तौर पर लिए थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

नई दिल्ली । पिछले काफी समय से चोटिल होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल हरे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली टी20 सीरीज से वापसी की संभावना है। पांड्या एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले सुपर 4 के मैच में चोटिल होने के बाद से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गए थे। अब वह फिट हो गये हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले वह घरेलू क्रिकेट में भी फिटनेस साबित करने के लिए खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी महीने के अंत में वह बड़ौदा की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं। पांड्या मैच फिटनेस हासिल करने के बेहद करीब हैं। वह इस समय बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह घरेलू टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो भी दूसरे टी20 में उनकी वापसी तय है। । बड़ौदा का पहला मैच 26 नवंबर को और दूसरा मैच 28 नवंबर को खेला जाएगा। ऐसे में समझा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वहीं नहीं खेलेंगे, क्योंकि उनको टी20 फॉर्मेट में ही वापसी करनी होगी। 9 दिसंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज है, जिसके लिए पांड्या का टीम में चयन हो सकता है और वे इस सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

विश्व कप के लिए जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, रोहित करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रैग-फ्लिकर रोहित को तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारत की 20 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया। दिग्गज पीआर श्रीजेश की कोचिंग में अभ्यास कर रही भारतीय टीम को पूल बी में चिली, स्विट्जरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। ओमान को पाकिस्तान द्वारा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर हटने के बाद विश्व कप में शामिल किया गया है।

कोच श्रीजेश ने कहा, 'हमने काफी जांच परख कर टीम का चयन किया है। इसके अधिकांश खिलाड़ियों को इस बड़े टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव है। चयन के मानदंडों में उनकी शारीरिक क्षमता, कौशल और टीम-प्ले शामिल थे। हमने हालांकि सबसे ज्यादा ध्यान दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी मानसिक क्षमता पर दिया।'

भारतीय टीम की कमान डिफेंडर रोहित संभालेंगे, जिन्होंने हाल ही में मलेशिया में हुए सुल्तान जोहोर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम ने रजत पदक जीता था। बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह गोलकीपर के रूप में टीम में चुने गए हैं। भारतीय जूनियर टीम को हालांकि अरिजीत सिंह हुंदल जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी खलेगी, जो कंधे की चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल पाएंगे।

श्रीजेश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप की तैयारी के दौरान हमें अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छा अनुभव मिला है। हमने सीनियर भारतीय टीम के साथ भी कई मैच खेले हैं क्योंकि हम बेंगलुरु स्थित साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एक ही परिसर में हैं।' उन्होंने कहा, ''जब खिलाड़ी अपने सीनियर साथियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। कुल मिलाकर हम घरेलू दर्शकों के सामने अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।'

भारतीय जूनियर पुरुष टीम

गोलकीपर : बिक्रमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर : रोहित, आमिर अली, अनमोल एक्का, रवनीत सिंह, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर, शारदानंद तिवारी

मिडफील्डर : अंकित पाल, रोहित कुल्लू, एड्रोहित एक्का, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर

फॉरवर्ड : सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, अजीत यादव, गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह

रेड कार्ड मिलने के बाद रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

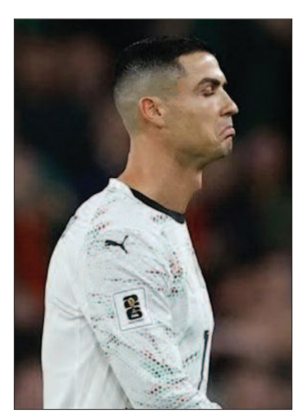

डबलिन । पुर्तगाल अगर उम्मीद के मुताबिक 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर शुरुआती मैचों से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। इस फुटबॉल सुपरस्टार को बृहस्पतिवार को डबलिन में खेले गए क्वालीफाइंग मैच के दूसरे हाफ में आयरलैंड के डिफेंडर दारा ओ'शे को कोहनी मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया था। इस मैच में पुर्तगाल को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। पुर्तगाल और आर्मेनिया के बीच रविवार को होने वाले मैच को रोनाल्डो नहीं खेल सकेंगे। इस मैच में जीत से पुर्तगाल के पास अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा। फीफा के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार, इसके जज से समूह को 'गंभीर बेईमानी' के लिए कम से कम दो मैचों का प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। 'हिंसक आचरण' के लिए कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध शामिल है। कोहनी मारने को अगर हिंसक माना गया तो रोनाल्डो पर तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। फीफा का प्रतिबंध प्रतिस्पर्धी मैचों पर लागू होगा और टूर्नामेंट से पहले के अभ्यास मैचों में नहीं लगाया जा सकता। अवीवा स्टेडियम में लगभग एक घंटे के खेल के बाद जब आयरलैंड 2-0 की आश्चर्यजनक बढ़त बनाए हुए था तब रोनाल्डो ने अपनी दाहिनी कोहनी ओ'शे की पीठ पर मार दी। रेफरी ने पहले पीला कार्ड दिखाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे रेड कार्ड में बदल दिया। आयरलैंड के प्रशंसकों द्वारा हूटिंग किये जाने के बाद रोनाल्डो ने मैदान से बाहर जाते समय कुछ पल के लिए रुके और प्रशंसकों की ओर देखा। उन्होंने कटाक्ष भरे लहजे में ताली बजाई और व्यंग्यात्मक अंदाज में दोनों हाथों के अंगूठे दिखा। रोनाल्डो फरवरी में 41 साल के हो जायेंगे और उनका लक्ष्य रिकॉर्ड छठे विश्व कप टूर्नामेंट में खेलने का है।

रचिन और कॉनवे सहित कई खिलाड़ियों को रिलीज करेगी सीएसके

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास इस बार नीलामी में 30 करोड़ रुपये से अधिक बचे रहेंगे जिससे वह कई खिलाड़ियों को खरीद सकेगी। सीएसके प्रबंधन का लक्ष्य ऐसे में एक ऐसी टीम बनना रहेगा जो जीत हासिल कर सके। सीएसके के पास मोटी रकम इसलिए बच रही है क्योंकि वह कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज करने जा रही है। इसमें न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे भी शामिल है हालांकि मथीशा पथिराना टीम में बने रहेंगे। इसके अलावा नाथन एलिस को भी रिटेन करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के पास नीलामी में 30 करोड़ रुपये का पर्स हो सकता है। रचिन और कॉनवे के अलावा कई भारतीय खिलाड़ियों को टीम रिलीज करेगी जिसके उसके पास काफी रकम बचेगी। इसका इस्तेमाल टीम का सहयोगी स्टाफ नीलामी में कर सकता है। एलिस को ट्रेड के जरिए कई टीमों ने मांगा है, लेकिन सीएसके ने सीधे तौर पर मना कर दिया है। वहीं दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को भी टीम रिलीज कर सकती है। जडेजा और सैम करन की ट्रेड डील राजस्थान रॉयल्स के साथ हो सकती है, जहां से संजू सैमसन सीएसके में आ सकते हैं। विजय शंकर को भी सीएसके रिलीज कर सकती है। इस तरह सीएसके पास काफी रकम रहेगी। युवा खिलाड़ियों के साथ फेंचाइजी बने रहना पसंद करेगी। वहीं महेन्द्र सिं धोनी भी इस सीजन खेलने वाले हैं तो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी वही संभालेंगे। सीएसके उन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है, जो घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जो खिलाड़ी विदेशी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाल मचा रहे हैं। धोनी का संभावित तौर पर यह आखिरी सीजन होगा। ऐसे में फेंचाइजी चाहेगी कि एक दमदार टीम बनाई जाए।

भारतीय रिकर्व पुरुष टीम ने एशियाई स्वर्ण पदक के 18 साल के इंतजार को किया खत्म

ढाका (एजेंसी)। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने हाल के दिनों में अपना सबसे रोमांचक प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को एक बेहद करीबी शूट-ऑफ में हराकर 18 साल में पहली बार एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की तिकड़ी ने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेओ मिंगी, किम येचन और जंग जिहो की कोरिया की दूसरी श्रेणी की टीम पर 5-4 से नाटकीय जीत दर्ज की और 2009 से इस प्रतियोगिता पर कोरिया के दबदबे को खत्म किया। दोनों टीमों ने शूट-ऑफ में 29 अंक बनाए लेकिन दो बार के ओलंपियन दास ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 10 अंक वाला निशाना साधा जो कोरिया के तीरंदाज के निशाने के मुकाबले केंद्र से अधिक करीब था।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जल्दी बाहर होने वाले दास के दबाव में शानदार खेले भारत ने 2007 के बाद से एशियाई चैंपियनशिप पुरुष टीम में पहला स्वर्ण पदक जीता। इस परिणाम के साथ चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या चार स्वर्ण और दो रजत हो गई। कंपाउंड टीम ने बृहस्पतिवार को तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए थे। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम ने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर यादगार दोहरा प्रदर्शन किया।

यह रिकर्व पुरुष टीम के कोच राहुल बनर्जी के लिए बेहद भावुक क्षण था जो 2007 की चैंपियन टीम के सदस्य थे। तब स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में उनके साथ मंगल सिंह चंपिया और जयंत तालुकदार भी थे। खिलाड़ी के तौर पर चैंपियन बनने के अठारह साल बाद 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने दूसरी जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'एक कोच के तौर पर यह वाकई संतोषजनक है क्योंकि हमने कोरिया को हराया। मैं और अतनु कल रात इस बारे में चर्चा कर रहे थे कि हमने लंबे समय से कोई स्वर्ण पदक नहीं जीता था और आखिरकार यह बात पूरी हो गई। अगला लक्ष्य निश्चित रूप से एशियाई खेल हैं।'

कोरिया भले ही अपने दिग्गज ओलंपिक चैंपियन किम वूजिन के बिना आया हो, लेकिन टीम में बेहतरीन प्रतिभाएं मौजूद हैं। सेओ मिंगी राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहे, 20 वर्षीय किम येचन चेंगदू विश्वविद्यालय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। इस तिकड़ी में प्रतिभाशाली जंग जिहो भी शामिल है। बनर्जी ने कहा, 'वे उनके शीर्ष तीन तीरंदाज नहीं हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के बाद उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल लिया और ये चुने गए। जहां तक मेरी जानकारी है वे उनके शीर्ष क्रम में चौथे, पांचवें और छठे नंबर के तीरंदाज हैं।'

फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कोरिया ने पहले सेट में आठ के एक निशाने के बाद 56 अंकों से शुरुआत की और भारत ने उसे माकुल जवाब दिया। भारत दूसरे सेट में एक निशाना सात अंक का लगाने के बावजूद 56 अंक बनाकर फिर से कोरिया की बराबरी करने में सफल रहा। कोरिया ने तीसरे सेट में कोरिया ने 57 अंकों के साथ बढ़त हासिल की लेकिन भारत ने चौथे सेट में लगातार 10 अंकों

वाले निशाने से शुरुआत कर दबाव बना लिया। टीम इस सेट को 57-53 से जीतने में सफल रही। स्कोर 4-4 से बराबर होने के बाद मुकाबला शूट ऑफ में गया जहां टीम ने शानदार निशाने के साथ पिछले दो दशक के खिताबी सूखे को खत्म किया।

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर केकेआर के गेंदबाजी कोच बने

कोलकाता - कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के आगामी सत्र के लिए न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम साउथी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। साउथी ने 107 टेस्ट मैचों, 161 वनडे और 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और 776 विकेट लिए हैं। साउथी अपने खेल करियर के दौरान IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (2021, 2022, 2023) का हिस्सा रहे हैं। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कहा, 'KKR मुझे हमेशा घर जैसा लगा है और इस नयी भूमिका में वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति अद्भुत है, प्रशंसक जुनूनी हैं और खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है। मैं गेंदबाजों के साथ मिलकर काम करने और IPL 2026 में टीम को सफलता दिलाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।' कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हमें कोच के तौर पर टिम साउथी का केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। टिम का अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता हमारी गेंदबाजी इकाई को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनके नेतृत्व कौशल और शांतचित्त रवैया उन्हें हमारे युवा गेंदबाजों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक बनाते हैं।'

पहली बार रियल लाइफ बेस्ड किरदार प्ले करेंगी एक्ट्रेस कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी अपने करियर के सबसे रोमांचक मोड़ पर हैं। एक ओर वह हाल ही में मातृत्व सुख का अनुभव कर चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर उनके पास कई बड़े और महत्वाकांक्षी फिल्म प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। इनमें सबसे बड़ी और चर्चित घोषणा है उनकी मीना कुमारी की बायोपिक कमाल और मीना में मुख्य भूमिका। यह फिल्म न सिर्फ कियारा के अभिनय करियर का नया अध्याय खोलेगी, बल्कि मां बनने के बाद परदे पर उनके कमबैक को भी यादगार बनाएगी।
दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी और फिल्मकार कमाल अमरोही के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म को लेकर लंबे समय से चर्चा थी कि मीना का रोल कौन निभाएगा, कियारा आडवाणी या कृति सेनन। अब आधिकारिक रूप से तय हो गया है कि यह चुनौतीपूर्ण किरदार कियारा के हिस्से में आया है। यह फिल्म मीना और कमाल के तूफानी रिश्ते की कहानी को बड़े परदे पर पेश करेगी। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमाल के पोते बिलाल अमरोही कर रहे हैं और निर्देशन हिचकी फेम सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा करेंगे। यह कियारा की पहली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें वह किसी वास्तविक जीवन पर आधारित किरदार को परदे पर निभा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टर सिद्धार्थ को कियारा में विंटेज बॉलीवुड चार्म और मीना कुमारी की भावनात्मक गहराई से जुड़ने की इमोशनल रेंज नजर आई, जिसके बाद यह फैसला किया गया। फिल्म की शूटिंग 2026 के पहले हिस्से में शुरू होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि वह अपनी भूमिका के लिए उर्दू उच्चारण और अंदाज पर भी काम करेंगी। फिलहाल कमाल के किरदार के लिए एक्टर की तलाश जारी है।

मां बनने के बाद कियारा का है यह पहला बड़ा प्रोजेक्ट साबित होगा

मां बनने के बाद यह कियारा की पहली फिल्म होगी, जो उनके लिए एक नई यात्रा की शुरुआत मानी जा रही है। कमाल और मीना के जरिए वह एक बार फिर दर्शकों को अपने अभिनय की गहराई से रूबरू कराएंगी। यह बायोपिक न सिर्फ उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बनेगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि कियारा कितनी सहजता से ग्लैमरस भूमिकाओं से निकलकर भावनात्मक और क्लासिक किरदारों में ढल सकती हैं। कमाल और मीना के अलावा कियारा के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं इनमें सबसे चर्चित टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स है, जिसमें वह कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ नजर आएंगी।

यामी और इमरान से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे। वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे। अपने किरदार साइरा को लेकर वर्तिका ने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए। फिल्म हक में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है।

एक्ट्रेस शरीन फरीद को मिलेगा एवरग्रीन आईकोंन अवार्ड

मुंबई (सब का सपना):- वी. एस. नेशन तथा ताल म्यूजिक एंड फिल्म्स के तत्वावधान मे मिस एंड १२ एवरग्रीन इंडिया पेजन्ट फैशन शो तथा एवर ग्रीन आईकोंन अवार्ड का आयोजन मुंबई के उपनगर बॉरिवली स्थित एम. सी. एफ. क्लब मे पंद्रह नम्बर को किया जा रहा हैं। जिसमे बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं सूफी नृत्यँगना शरीन फरीद को म्यूजिक सांग "ये मौषम और " दिलो की बात, के लिए सम्मानित किया जायेगा। अवार्ड शो के ऑर्गनाइजर वरिष्ठ पत्रकार, निमार्ता, निर्देशक देवेंदर खन्ना तथा को ऑर्गनाइजर फैशन मॉडल तथा एक्ट्रेस नेहा मेहता हैं।

मुझे कलाकार के तौर पर चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं

स्टार प्लस की महाभारत में मत्स्य रानी सत्यवती का रोल एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने किया था। उनके किरदार की तारीफ हर किसी ने की थी। अब एक्ट्रेस टीवी सीरियल जगद्धात्री में दिखने वाली हैं। उन्होंने सीरियल से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। सीरियल जगद्धात्री जीटीवी पर आने वाला है। इसमें अपने किरदार माया देशमुख पर सायंतनी घोष ने बातचीत में कहा कि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल किरदार था। अभी तक मैंने कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। लेकिन, यह सबसे अलग है। कलाकार के तौर पर मुझे चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं और इसी वजह से मैंने इस रोल को एक्सेप्ट किया। उन्होंने कहा कि माया देशमुख घर और बिजनेस दोनों संभाल रही हैं। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में हर महिला का जीवन ऐसे संघर्ष से भरा रहता है। इसी वजह से माया के किरदार ने मुझे ज्यादा प्रभावित किया। हमें पहले लोगों की सोच बदलने की जरूरत है। लोगों को लगता है कि महिलाएं एक्शन नहीं कर सकतीं, लेकिन जगद्धात्री ऐसा शो है, जिसे महिला लीड कर रही है और पुरुषों की तरह एक्शन कर रही है। शो नारी की शक्ति का प्रतीक है। मुझे इस शो से बहुत सारी उम्मीदें हैं। मैं दर्शकों से इस सीरियल को बहुत सारा प्यार देने की रिक्वेस्ट करूंगी। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि 20 साल में टेलीविजन इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं। मैं भी समय के साथ खुद को बदलती हूं। आजकल धैर्य की कमी देखी जा रही है। पहले शो सालों तक चलते थे। आज शो कुछ ही महीनों में खत्म हो जाते हैं। इतनी ज्यादा प्रतियोगिता है कि सीरियल की शेल्फ लाइफ कम हो गई है। इसमें बदलाव लाना चाहिए। सायंतनी घोष ने कहा कि मेरा सफर टीवी शो नागिन से शुरू हुआ था। मैंने महाभारत और नामकरण जैसे शोज किए हैं, जिनके लिए मुझे आज भी याद किया जाता है। लेकिन अब मैं कुछ अलग करना चाहती हूं और एक कलाकार होने के नाते आगे बढ़ना चाहती हूं। इसके लिए सीरियल जगद्धात्री बेस्ट है, क्योंकि ये अलग है।

कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी पूजा भट्ट की नई फिल्म, जितेंद्र कुमार नजर आएंगे

पूजा भट्ट ने अपनी नई फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म भारत की कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के एक्टर पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर जितेंद्र कुमार के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और लिखा, दो दमदार कलाकार। एक गहरी कहानी। अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए बेहद खुश हूं। यह भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी परंपरा, कबूतरबाजी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है।

फिल्म की स्टार कास्ट

पूजा भट्ट की इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। इस फिल्म में पूजा भट्ट मां की भूमिका में नजर आएंगी, जबकि जितेंद्र उनके बेटे का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म के निर्माता ख्याति मदान और सह-निर्मिता हितेश केवले हैं। इस फिल्म को बिलाल हसन द्वारा लिखित और निर्देशित किया जाएगा।

जितेंद्र कुमार का करियर

जितेंद्र कुमार को हाल ही में पंचायत सीरीज के तीसरे सीजन में देखा गया था। जितेंद्र को टीवीएफ पिचर्स में जीतू, कोटा फैक्ट्री में जीतू भैया और पंचायत में अभिषेक त्रिपाठी के किरदारों के लिए जाना जाता है। जितेंद्र ने शुभ मंगल ज्यादा सावधान, जादूगर और ड्राई डे शामिल हैं। अब वह पूजा भट्ट के साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

किसकी बायोपिक करना चाहते हैं जितेंद्र

एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में जितेंद्र ने बताया था कि उन्हें क्रिकेट बहुत पसंद हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विराट कोहली की कहानी बेहद प्रेरणादायक लगती है। अगर कभी मौका मिला तो मैं जरूर उनकी बायोपिक करना चाहूंगा।'

विदेशों में भारतीयों की घिसी-पिटी छवि बनी हुई है

दीपिका पादुकोण ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी घराने से आने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। अब दीपिका अपनी शर्तों पर काम करती हैं। यही कारण है कि अपने आठ घंटे काम करने की मांग के चलते उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकलीं, लेकिन उन्होंने खुद से समझौता नहीं किया। अब दीपिका ने अपने हॉलीवुड करियर को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है।

दीपिका ने कहा कि वो हॉलीवुड में अपनी शर्तों पर काम करेंगी, न कि वैसा जैसी हमारी वहां छवि बनी हुई है। दीपिका ने कहा विदेशों में आज भी भारत को लेकर एक छवि है। साथ ही उन्होंने अपने साथ वहां हुए भेदभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं भारत को दुनिया के सामने लाने को लेकर बहुत स्पष्ट थी, लेकिन जिस भारत को मैं जानती हूं, वह ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए हॉलीवुड में जाना और कुछ ऐसी चीजें करना जो हमसे उम्मीद की जाती हैं या जो ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से करना, कुछ ऐसा है जो मैं कभी नहीं करना चाहती थी। विदेशों में यात्रा के दौरान भी मैंने अक्सर देखा है कि वहां लोगों के मन में भारतीयों के बारे में वही पुरानी और घिसी-पिटी छवि है। चाहे वह कास्टिंग को लेकर हो, या हमारे बोलने के तरीके को लेकर हो या मेरी त्वचा के रंग को लेकर हो। यही कारण है कि हमें वहां टैलेंट को देखते हुए काम नहीं मिला, बल्कि घिसे-पिटे रोल दिए गए।
दीपिका ने कहा कि मैं बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं यह काम अपने तरीके से और अपनी शर्तों पर करूंगी। बेशक इसमें ज्यादा समय लगा। हाल ही में अपने एक इंटरनेशनल ब्रांड के अभियान को याद करते हुए दीपिका ने बात की, जब सनसेट बुलेवार्ड पर जगह-जगह उनके होर्डिंग लगे थे। अभिनेत्री ने कहा कि मैं उस समय लॉस एंजिल्स में थी। यह देखकर पहले मुझे अजीब लगा, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी हुआ। एक वैश्विक लक्जरी ब्रांड के होर्डिंग पर एक भूरे रंग का चेहरा देखकर अच्छा लगा। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था और यह हर एक भारतीय महिला की जीत जैसा लगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण इन दिनों शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वो एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

विन डीजल के साथ हॉलीवुड डेब्यू

दीपिका ने 2017 में विन डीजल के साथ 'XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से हॉलीवुड में कदम रखा था। तब से दीपिका ने कई इंटरनेशनल ब्रांड साइन किए हैं और ग्लोबल मंच पर लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हालांकि, उसके बाद से दीपिका किसी हॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।